Publication Date 01.11.2025
Postal Registration No. G/CHD/0096/2024-26
Registrar of Newspapers of India
Regd. No. 46809/70 I Total Pages 48
Posted at MBU Chandigarh 1st of Every Month

HARCOFED

International Year of Cooperatives 2025
Cooperatives Build a Better World

हरियाणा सहकारी प्रकाश
Haryana Sahkari Parkash

वर्ष : 56 / अंक 10-11 / 1 नवम्बर, 2025 / वार्षिक मूल्य : रु 500 / प्रति कापी : रु 50

HAFED DAIRYFED SUGARFED HARCO BANK HSCARDB HARCOFED LABOURFED HOUSEFED

जय हरियाणा

सहकार से समृद्धि
समृद्धि से आत्मनिर्भरता

जय सहकार

सहकारी योजनाएँ
जानें, समझें और लाभ उठाएं
पैक्स
पारदर्शी, सशक्त और समावेशी सहकारिता!
32 राज्य/केंद्रशासित प्रदेशों ने अपनाई मॉडल उपविधियाँ
25+ व्यावसायिक गतिविधियों में विस्तार: कृषि इनपुट, भंडारण, दुग्ध उत्पादन आदि
संचालन में सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही
महिलाओं और अनुसूचित जाति/जनजाति समुदायों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व
सशक्त पैक्स, समृद्ध किसान!

हरियाणा सहकारी प्रकाश

मुख्य संरक्षक
विजयेंद्र कुमार, भा.प्र.से.
अतिरिक्त मुख्य सचिव,
सहकारिता विभाग, हरियाणा

संरक्षक
अमरदीप सिंह भा.प्र.से.
रजिस्ट्रार सहकारी समितियां,
हरियाणा

मुख्य सम्पादक
नरेश गोयल
प्रबन्ध निदेशक, हरकोफैड

सम्पादक
सौरव शर्मा

सुविचार

किसी दिन जब आपके सामने कोई समस्या न आए तो मान लीजिए आप गलत मार्ग पर हैं।

–स्वामी विवेकानन्द

'हरियाणा सहकारी प्रकाश' में प्रकाशित लेखकों के विचारों के साथ हरकोफैड का सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह लेखकों के अपने विचार हैं।

हरियाणा सहकारी प्रकाश की विज्ञापन दरें :–

क्र.सं.	विवरण प्रति प्रकाशन	रुपये
1.	पूरा पृष्ठ टाईटल रंगीन	30000/-
2.	पूरा पृष्ठ रंगीन	20000/-
3.	पूरा पृष्ठ श्याम–श्वेत	12000/-
4.	आधा पृष्ठ श्याम–श्वेत	6000/-

E-MAIL
harcofed@ymail.com
harcopress@gmail.com

Website
https://www.harcofed.org.in

इस अंक में पढ़िए

श्री अमरदीप सिंह, भा.प्र.से. बने रजिस्ट्रार सहकारी समितियां हरियाणा	4
सम्पादकीय	5
केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने आईएमटी रोहतक में साबर डेयरी (अमूल) प्लांट का किया उद्घाटन	6–9
कुरुक्षेत्र में तीन नए कानूनों पर लगाई प्रदर्शनी का हुआ उद्घाटन	10–11
हरियाणा सरकार का किसानों को तोहफा	12
सहकारिता से आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ा रही सरकार	13–14
हरियाणा में बनेगी राज्य सहकारिता नीति	15–16
सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने हरियाणा सचिवालय, चण्डीगढ़ में किया पौधारोपण "एक पेड़ माँ के नाम"	17
दिवाली के उपलक्ष्य में सूरजकुंड में लगाया गया आत्मनिर्भर भारत–स्वदेशी मेला	18–21
स्वस्थ मां से परिवार–राष्ट्र होगा सशक्तः शर्मा	22
सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत सहकारिता मुख्यालय, में रक्तदान शिविर का हुआ भव्य आयोजन	23–24
श्री राजेश जोगपाल, भा.प्र.से हुए सेवानिवृत	25–26
सेवानिवृति के अवसर पर श्री राजेश जोगपाल, भा.प्र.से ने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित करते हुए ।	27
सेवा पखवाड़ा के तहत हरकोफेड में स्वच्छता अभियान का आयोजन	28–29
हरकोफैड की वार्षिक कार्ययोजना 2025–26 के कार्यक्रम	30–36
Article	37–40
नवम्बर मास के कृषि कार्य	41–42
रावण की ललकार	43
रंग भरो	44
विज्ञापन	47

श्री अमरदीप सिंह, भा.प्र.से.
रजिस्ट्रार सहकारी समितियां हरियाणा।

हरियाणा सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा 2017 बैच के अधिकारी श्री अमरदीप सिंह को रजिस्ट्रार सहकारी समितियां, हरियाणा का कार्यभार सौंपा है। इन्होंने 29 अक्तूबर, 2025 को रजिस्ट्रार मुख्यालय, पंचकुला में अपने पद का कार्यभार ग्रहण किया।

श्री अमरदीप सिंह जी ने 1988 में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से भूगोल विषय में एम.एस.सी की एवं इसके बाद सन् 1990 में जाट कॉलेज रोहतक में भूगोल विषय के लेक्चरर के रूप में ज्वॉइन किया। सन् 1993 में एच.सी.एस (एलायड) में चयन हुआ और अगले कई वर्षों तक हरियाणा में अनेक स्थानों पर बी.डी.पी.ओ के रूप में कार्य किया। सन् 2003 में इनका चयन हरियाणा प्रशासनिक सेवा में हो गया।

हरियाणा प्रशासनिक सेवा में रहते हुए हरियाणा प्रदेश के जिलों जैसे मेवात, पलवल, सोनीपत, पानीपत, करनाल, भीवानी एवं चरखी दादरी में बत्तोर सिटी मजिस्ट्रेट, उप मण्डलों जैसे लोहारू, सीवानी, सांपला, फिरोज़पुर झिरखा, होड़ल, बावल, सोनीपत आदि में बत्तोर SDM, अतिरिक्त आयुक्त, नगर निगम गुरूग्राम, संयुक्त आयुक्त, नगर निगम फरीदाबाद, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद् एवं डी.आर.डी.ए, रोहतक, पलवल और सोनीपत, प्रबंध निदेशक, शुगर मिल पलवल, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जी.एम.डी.ए, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, रेवाड़ी, भूमि अधिग्रहण कलेक्टर, एच.एस.वी.पी फरीदाबाद एवं गुरूग्राम, भूमि अधिग्रहण कलेक्टर, लोक निर्माण विभाग हिसार, एस्टेट अधिकारी एच.एस.वी.पी सोनीपत एवं गुरूग्राम आदि जैसे महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेंवाएं दी हैं। बत्तोर SDM आपने जिले में लगने वाले समाधान शिविरों में जनता की शिकायतों का तुरंत समाधान किया और अपनी कार्यशैली की सकारात्मक छाप छोड़ी। इन्होने पूर्व में (सन् 2014) रजिस्ट्रार सहकारी समितियां, हरियाणा कार्यालय में अतिरिक्त रजिस्ट्रार (प्रशासन) के पद पर भी कार्य किया है।

आप जैसे अनुभवी एवं परिश्रमी अधिकारी के रजिस्ट्रार लगने से विभाग को महत्वपूर्ण विषयों पर आपका सहयोग एवं मार्गदर्शन मिलने का सौभाग्य प्राप्त होगा और आपकी कुशल कार्यशैली के साथ मिलकर सहकारिता विभाग, हरियाणा **सहकार से समृद्धि** के संकल्प को साकार रूप प्रदान करेगा ।

सम्पादकीय

हरियाणा दिवस 2025
प्रगति, परंपरा और नए संकल्पों का पर्व

1 नवंबर हरियाणा के इतिहास में केवल एक तिथि नहीं, बल्कि गौरव, विकास और स्वाभिमान का प्रतीक है। वर्ष 1966 में जब हरियाणा पंजाब से अलग होकर एक स्वतंत्र राज्य के रूप में अस्तित्व में आया, तब यह राज्य कृषि प्रधान था और विकास के पथ पर शुरुआती कदम रख रहा था। आज, लगभग छह दशक बाद, हरियाणा न केवल देश के अग्रणी राज्यों में गिना जाता है, बल्कि औद्योगिक, खेल, शिक्षा, और सहकारिता जैसे कई क्षेत्रों और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने में मिसाल कायम कर चुका है।

हरियाणा दिवस 2025, इस विकास यात्रा के नए अध्याय की शुरुआत का अवसर है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि छोटे से राज्य ने सीमित संसाधनों के बावजूद दृढ़ संकल्प, परिश्रम और दूरदर्शी नेतृत्व के बल पर किस प्रकार विकास के नए मानदंड स्थापित किए हैं।

कृषि और ग्रामीण विकास : हरियाणा देश के खाद्य सुरक्षा में अहम योगदान देने वाला राज्य है। हरित क्रांति की भूमि के रूप में हरियाणा ने आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर उत्पादन में क्रांतिकारी वृद्धि की है। आज राज्य जैविक खेती, सूक्ष्म सिंचाई और डिजिटल कृषि जैसे क्षेत्रों में अग्रसर है।

औद्योगिक और तकनीकी प्रगति : गुरुग्राम और फरीदाबाद जैसे शहर आज अंतरराष्ट्रीय निवेश के केंद्र हैं। हरियाणा सरकार का 'मेक इन हरियाणा' और 'डिजिटल हरियाणा' अभियान युवाओं के लिए नए रोजगार अवसर और नवाचार के द्वार खोल रहा है।

खेल और युवा शक्ति : हरियाणा का नाम खेलों में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जा चुका है। ओलंपिक और एशियाई खेलों में हरियाणा के खिलाड़ियों का प्रदर्शन देश को गर्वित करता है। यह उपलब्धि इस बात का प्रतीक है कि इस भूमि में मेहनत और हौसले की कोई कमी नहीं है।

सहकारिता और सामाजिक विकास : 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' की भावना और 'सहकार से समृद्धि' के साथ हरियाणा में सहकारी संस्थाओं ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है। डेयरी, कृषि, बैंकिंग और विपणन के क्षेत्र में सहकारिता की भूमिका अनुकरणीय रही है। वहीं हरियाणा सरकार ने अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 को बड़ी धूम–धाम से मनाया है और जन–जन तक सहकारिता को पहुंचाने का काम किया है।

नए युग का हरियाणा : आज का हरियाणा केवल औद्योगिक या कृषि प्रगति तक सीमित नहीं है। यह राज्य अब सस्टेनेबल डेवलपमेंट, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और ई–गवर्नेंस की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

हरकोफैड संदेश : हरियाणा दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्ममंथन और संकल्प का दिन है। हमारा लक्ष्य आने वाले वर्षों में हरियाणा को शिक्षा, स्वास्थ्य, तकनीक और सामाजिक समरसता के क्षेत्रों में ओर आगे ले जाना है। सहकार से समृद्धि के नारे को साथ लेकर वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है।

हरियाणा दिवस 2025 पर हम सभी को यह प्रण भी लेना चाहिए कि हम अपने राज्य की गौरवशाली परंपरा एवं इसकी सांस्कृतिक विरासत को बनाए रखते हुए, नए भारत के सपनों के अनुरूप एक समृद्ध, सशक्त और समावेशी हरियाणा का निर्माण करेंगे।

जय हरियाणा – जय भारत

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने आईएमटी रोहतक में साबर डेयरी (अमूल) प्लांट का किया उद्घाटन

वर्ष 2029 तक देश का प्रत्येक गांव सहकारिता से जुड़ेगा	आज देश में 8 करोड़ किसान डेयरी क्षेत्र से जुड़े, देश में दूध की उपलब्धता 124 ग्राम प्रति व्यक्ति से बढ़कर 471 ग्राम तक पहुंची	साबर डेयरी हरियाणा की समृद्धि में मील का पत्थर साबित होगी

– श्री अमित शाह

दिनांक 3 अक्टूबर, 2025 को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आई.एम.टी रोहतक में साबर डेयरी (अमूल) प्लांट के विस्तार प्लांट का उद्घाटन किया। इस प्लांट में प्रतिदिन 150 मीट्रिक टन दही, तीन मीट्रिक टन छाछ, 10 मीट्रिक टन योगर्ट व 10 मीट्रिक टन मिठाई का उत्पादन होगा। कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। श्री अमित शाह जी ने जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत आज विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश बन चुका है। श्वेत क्रांति–2 के अंतर्गत देशभर में 75 हजार से अधिक डेयरी समितियों की स्थापना कर लगभग 40 हजार डेयरी सहकारी संस्थाओं को सुदृढ़ किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2029 तक देश के प्रत्येक गांव को सहकारिता आंदोलन से जोड़ा जाए।

कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि भारत में डेयरी क्षेत्र ने गत 11 वर्षों में 70% की

विकास दर के साथ वैश्विक स्तर पर सबसे तीव्र गति से प्रगति की है। वर्ष 2014 की तुलना में डेयरी क्षेत्र में विकास 86% से बढ़कर 120% तक पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 में जहां देश में 140 मिलियन टन दूध का उत्पादन होता था, अब वह बढ़कर 249 मिलियन टन तक पहुंच गया है। देसी गायों के दूध का उत्पादन भी 29 मिलियन टन से बढ़कर 50 मिलियन टन हो गया है, जो एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। आज देश में 8 करोड़ नए किसान डेयरी क्षेत्र से जुड़े हैं। इसके फलस्वरूप, प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता भी वर्ष 2014 में 124 ग्राम से बढ़कर वर्तमान में 471 ग्राम प्रतिदिन हो गई है।

अपने संबोधन में हरियाणा की मातृशक्ति का अभिवादन करते हुए श्री अमित शाह ने कहा कि हरियाणा के सर्वाधिक जवान पैरामिलिट्री बलों एवं भारतीय सेना में सेवा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश का हर तीसरा पदक हरियाणा के खिलाड़ी लेकर आते हैं, और देश के अन्न भंडारण में भी हरियाणा का योगदान सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सहकारिता क्षेत्र के लिए पृथक मंत्रालय की वर्षों पुरानी मांग को पूरा किया, और इस क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने बताया कि पिछले चार वर्षों में सहकारिता मंत्रालय ने राज्य सरकारों के सहयोग से सहकारिता की नींव को सुदृढ़ करने का कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि आज अमूल डेयरी ने हरियाणा में देश का सबसे बड़ा दूध, छाछ, मिठाई और योगर्ट का प्लांट शुरू किया है। देश में हरियाणा के लोग सबसे ज्यादा दूध और छाछ का प्रयोग करते हैं इसलिए हरियाणा के साथ–साथ एनसीआर क्षेत्र की भी आपूर्ति बेहतर हो यही इस प्लांट का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि गुजरात के साबरकांठा जिले से तीन लोगों से शुरू हुई साबर डेयरी ने पहले गुजरात के 9 जिलों में अपना विस्तार किया और आज यह देश व दुनिया में 85 हजार करोड रुपए का व्यापार करती है। उन्होंने कहा कि कंपनी ने यह वायदा किया है कि आज इस प्लांट की जितनी क्षमता है अगले एक वर्ष में इसे दो गुना करेंगे। उन्होंने कहा कि इस प्लांट से पूरे हरियाणा के प्रत्येक जिले को लाभ होगा और लाखों किसान इससे जुड़ेंगे। यह डेयरी हरियाणा की समृद्धि में मील का पत्थर साबित होगी।

उन्होंने हरियाणा के पशुपालक किसानों से वायदा किया कि पशुओं के लिए भ्रूण स्थानांतरण व लिंग निर्धारण योजना का लाभ सभी किसानों तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा में मधुमक्खी पालन व जैविक खेती को भी बढ़ावा देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पशुपालक किसानों के लाभ के लिए तीन लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं जिनमें पशु आहार, गोबर प्रबंधन व दूध उत्पादक पशुओं के अवशेषों का सर्कुलर शामिल है। राष्ट्रीय गोकुल मिशन इस क्षेत्र में वरदान साबित हुआ है। किसानों की मदद के लिए एनिमल हसबेंडरी फंड की स्थापना की गई है। उन्होंने कहा कि भविष्य में दूध के उत्पाद दुनिया भर में जाएं और देश के किसान आत्मनिर्भर बने इसके लिए संयंत्रों की स्थापना का कार्य भी तीन गुना तेजी से किया जाएगा। इस क्षेत्र में रिसर्च को बढ़ावा मिले और अत्यधिक प्लांट स्थापित हो यही केंद्र सरकार का लक्ष्य है।

इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, केंद्रीय राज्य सहकारिता मंत्री श्री कृष्ण पाल गुर्जर, हरियाणा के सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल कौशिक, गुजरात के खाद्य एवं आपूर्ति राज्यमंत्री भीखू परमार, सांसद धर्मबीर सिंह, राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा, साबर डेयरी के अध्यक्ष शामलभाई बी पटेल, अमूल के अध्यक्ष अशोक भाई चौधरी सहित अन्य गणमान्य व प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

साबर डेयरी (अमूल) प्लांट से हरियाणा में दुग्ध उत्पादन को मिलेगा नया आयाम।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के "सहकार से समृद्धि" मंत्र ने सहकारी आंदोलन को दी नई दिशा – नायब सिंह सैनी, मुख्यमंत्री हरियाणा

इस अवसर पर मुख्यमंत्री, हरियाणा श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि साबर डेयरी (अमूल) प्लांट न केवल हरियाणा बल्कि पूरे उत्तर भारत की दुग्ध आवश्यकताओं की पूर्ति करेगा, साथ ही रोजगार के नए अवसर भी सृजित करेगा। वर्ष 2021 में सहकारिता मंत्रालय की स्थापना इसी सोच का परिणाम है, और आज 'राष्ट्रीय सहकारिता नीति 2025' इसी का एक महत्वपूर्ण प्रतिफल है।

उन्होंने कहा कि अमूल केवल दूध और डेयरी उत्पादों का ब्रांड नहीं, बल्कि भारत के सहकारी आंदोलन की ताकत है। रोहतक का यह आधुनिक प्लांट दिल्ली–एनसीआर और उत्तर भारत में दुग्ध उत्पादों की मांग पूरी करने के साथ– साथ हरियाणा की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा देगा। उन्होंने कहा कि यह प्लांट जनवरी 2015 में शुरू हुआ था और अब इसके विस्तार में 325 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। इस विस्तार के बाद यह प्लांट दही, छाछ और योगर्ट के उत्पादन का देश का सबसे बड़ा प्लांट बन गया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को सहकारी संस्थाओं के माध्यम से कम ब्याज पर ऋण उपलब्ध करवा रही है। हैफेड द्वारा उन्नत किस्म के बीज, खाद और कीटनाशक दवाइयाँ समय पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। शुगर फेडरेशन द्वारा गन्ना किसानों को 400 रुपये प्रति क्विंटल का मूल्य दिया जा रहा है और छह सहकारी चीनी मिलें संचालित की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि हरियाणा देश में दुग्ध उत्पादन में तीसरे स्थान पर है, जहाँ प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 1105 ग्राम प्रतिदिन है और वार्षिक उत्पादन 122 लाख 20 हजार टन तक पहुँच गया है। सहकारी दुग्ध समितियों के माध्यम से उत्पादकों को 2015 से 'दुर्घटना बीमा योजना' का लाभ दिया जा रहा है। वित्त वर्ष 2023–24 में इसकी बीमा राशि को बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दिया गया है। सहकारी समितियों के सदस्य परिवारों की बेटियों के विवाह पर 1100 रुपये, छात्रवृत्ति योजना के तहत 10वीं व 12वीं में 80% से अधिक अंक लाने वाले बच्चों को 2100 से 5100 रुपये तक की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आह्वान करते हुए कहा कि हम सब मिलकर सहकारी आंदोलन को और सशक्त बनाएं और एक समृद्ध, विकसित हरियाणा के निर्माण में योगदान दें। उन्होंने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह का विशेष धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि कि उनके कर–कमलों से इस डेयरी प्लांट का उद्घाटन होना हम सबके लिए प्रेरणादायक क्षण है।

कुरुक्षेत्र में तीन नए कानूनों पर लगाई प्रदर्शनी का हुआ उद्घाटन

नए अपराधिक कानूनों के आधार पर अब जो एफआईआर दर्ज होगी उसका निपटान कर मिलेगा 3 साल में न्याय

अंग्रेजों से देश को आजादी मिली थी, पर अंग्रेजी कानूनों से नहीं

नए अपराधिक कानूनों से 112 दिन में हत्या के अपराधी को सजा सुनाकर जेल की सलाखों में भेजा

– श्री अमित शाह

दिनांक 3 अक्टूबर, 2025 को कुरुक्षेत्र के के.डी.बी मेला ग्राउंड में माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह द्वारा तीन नए कानूनों पर लगाई प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री ने 825 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास भी किया। इसके अलावा, उन्होंने गृह विभाग द्वारा नए आपराधिक कानूनों पर तैयार पुस्तिका का भी विमोचन किया। इस मौके पर हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी भी मौजूद रहे। अतिथियों ने प्रदर्शनी का भ्रमण किया और नए कानूनों से आए सकारात्मक परिणामों को जाना।

इन नए अपराधिक कानूनों के आधार पर जो भी एफ.आई.आर वर्ष 2026 में दर्ज होगी, उसका पूरा निपटान 3 साल के अंदर कर दिया जाएगा और न्याय सुनिश्चित होगा। पहले जो कानून थे उन्हें अंग्रेजों ने बनाया था जिनका उद्देश्य अपने शासन को बरकरार रखना था। 1947 में अंग्रेजों से आजादी तो मिली, लेकिन देश के लोगों को अंग्रेजी कानूनों से मुक्ति नहीं मिली। अब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 1 जुलाई 2024 से भारतीय न्याय संहिता को लागू करके नए युग का उदय हुआ है।

श्री अमित शाह जी ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि देश के नागरिकों को इन कानूनों में दंड की जगह न्याय, गरीब से गरीब नागरिक को सम्मान, संपत्ति और शरीर की सुरक्षा मिलेगी। उन्होंने कहा कि कई लोगों के मन में सवाल था कि परिणाम क्या आएंगे। प्रदर्शनी देखोगे तो मालूम पड़ेगा कि 112 दिन में हत्या के अपराधी को सजा सुनाकर जेल की सलाखों में भेजा गया है। जो

अपराधी बॉड नहीं भर सकते थे, सालों जेल में रहते थे। अब नए कानून में एक तिहाई सजा होने पर जेल खुद उनकी सजा माफ करवाने की अर्जी लगाएगी।

उन्होंने कहा कि पुराने कानूनों में केवल 40 प्रतिशत को ही न्याय मिल पाता था। नए कानूनों के लागू होने के बाद 80 फीसदी मामले न्याय तक पहुंच रहे हैं। अब पुलिस तथ्य जुटाने पर काम कर रही है, जिस कारण से न्याय की दर पहले से दोगुना हुई है। सरकार इसमें कई प्रावधान लेकर आई हैं, इनमें सिटीजन, डिग्निटी व कानून को शामिल किया है। अब पुलिस डंडे की जगह डाटा जुटाने पर काम कर रही है, थर्ड डिग्री की जग साइंटिफिक तथ्यों को इकट्ठा करने पर काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कानूनों के माध्यम से पुलिस, जेल, न्यायपालिका, अभियोजन और फोरेंसिक सभी पांचों को ऑनलाइन जोड़ दिया गया है। महिलाओं और बच्चों के लिए अलग से कानून बनाया गया है। सभी बिंदुओं की वीडियोग्राफी सुनिश्चित कर दी गई है। सात साल से ज्यादा के अपराधों में फोरेंसिक जांच को सुनिश्चित कर दिया है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद, मॉब लिंचिंग, डिजिटल अपराध और समय सीमा का निर्धारण भी जोड़ा गया है। अब एक जगह पर पुलिस, न्याय और प्रॉसिक्यूशन को इकट्ठा किया गया है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि ट्राइल इन एबसेंसिया का प्रावधान किया है। जो अपराधी अपराध के बाद देश छोडकर भागे जाते हैं, अब नए कानून में इनके खिलाफ अनुपस्थिति में भी ट्रायल चलेगा और उसे सजा तक लेकर जाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब तारिख पे तारिख के जुमले खत्म होंगे और तीन साल में न्याय मिलना तय होगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा में 71 प्रतिशत चार्जशीट का चालान 60 दिनों हो पेश किया जा चुका है, जिसके लिए 90 दिन का समय निर्धारित था। इसके लिए पुलिस, कोर्ट से जुड़े अधिकारियों, कर्मचारियों, एडवोकेट्स, लोक अभियोजनाओं के लोगों को ट्रेनिंग दी गई।

इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज, विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार, शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा, जेल मंत्री डॉ अरविन्द शर्मा, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा, लोकनिर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा, सेवा मंत्री श्री कृष्ण बेदी, ख्‌स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव, खेल राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम, सांसद श्री नवीन जिंदल और श्री कार्तिकेय शर्मा, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

हरियाणा सरकार का किसानों को तोहफा

गन्ने के दाम 15 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाए

हरियाणा देश में गन्ने का सबसे ज्यादा रेट देने वाला राज्य बना

हरियाणा सरकार ने प्रदेश के गन्ना किसानों को दिवाली की सौगात दी है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सहकारिता विभाग में गन्ने के मूल्य में 15 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। अगेती किस्म के गन्ने का रेट 400 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 415 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। पछेती किस्म के गन्ने का रेट 393 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 408 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। गन्ने के दामों में 15 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ोतरी कर हरियाणा देश में गन्ने का सबसे ज्यादा रेट देने वाला राज्य बन गया है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने इस ऐतिहासिक फेसले की घोषणा करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। गन्ना किसानों की देश में सबसे अधिक समर्थन मूल्य देकर सरकार उनके जीवन में समृद्धि और खुशहाली लाने का प्रयास कर रही है। इस निर्णय ने दीपावली के पर्व को ओर अधिक उज्ज्वल व मीठा बना दिया।

हरियाणा में कुल 14 चीनी मिलें हैं, जिनमें 11 सहकारी और तीन निजी क्षेत्र की हैं। राज्य में नवंबर से गन्ने की पिराई शुरू हो जाएगी। पिछले साल राज्य में 88.6 लाख टन गन्ने का उत्पादन हुआ था।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में, हरियाणा, किसान समुदाय के समर्थन में अग्रणी बना हुआ है। यह घोषणा हाल ही में हुई राज्य गन्ना नियंत्रण बोर्ड की बैठक के बाद आई है, जिसकी अध्यक्षता कृषि मंत्री, हरियाणा श्री श्याम सिंह राणा ने की थी। इस बैठक में राज्य की सहकारी और निजी चीनी मिलों के संचालन को सुचारू करने के लिए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय लिए गए। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी मिलें समय पर पेराई शुरू करें और किसानों के भुगतान में कोई देरी न हो। मंत्री ने यह भी बताया कि राज्य सरकार ने पिछले सत्रों से गन्ना किसानों के बकाया भुगतान का अधिकांश हिस्सा पहले ही चुका दिया है। उन्होंने कहा, "हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी किसान को भुगतान में देरी के कारण वित्तीय परेशानी न झेलनी पड़े। अधिकांश चीनी मिलें निर्धारित समय पर पेराई शुरू करने के लिए तैयार हैं।"मंत्री के अनुसार, नवंबर की शुरुआत में शुरू होने वाले गन्ना पेराई सत्र के साथ, हरियाणा में गन्ने के दाम में लगातार वृद्धि से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को और मजबूती मिलेगी। यह कदम उच्च मूल्य और टिकाऊ फसलों की ओर विविधीकरण को बढ़ावा देने में भी सहायक होगा।

सहकारिता से आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ा रही सरकार

'किसानों व महिलाओं के हित में सहकारिता विभाग की नीतियों को तेज गति से लागू करें

सहकारिता बनेगा नारी सशक्तिकरण का आधार

– मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

दिनांक 8 सितम्बर, 2025 को मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने चंडीगढ़ सिविल सचिवालय में सहकारिता विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार नारी सशक्तिकरण की दिशा में निरंतर ठोस कदम उठा रही है जिसके चलते उन्होने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वीटा बूथों का आवंटन महिलाओं को प्राथमिकता के आधार पर किया जाए, ताकि वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने कहा कि इन बूथों के लिए स्थान जल्द चिन्हित किए जाएं और उनमें 50 प्रतिशत तक आरक्षण महिलाओं के लिए सुनिश्चित किया जाए। इसी प्रकार महिला सीएम पैक्स के गठन और संचालन की प्रक्रिया को भी तेजी से आगे बढ़ाया जाए, ताकि ग्रामीण महिलाओं को संगठित कर आर्थिक गतिविधियों में भागीदार बनाया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी सहकारी बैंकों को आधुनिक आईटी सुविधाओं से लैस किया जाए, ताकि किसानों और उपभोक्ताओं को पारदर्शी, प्रभावी और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसानों को सरकार की ओर से मिलने वाले भुगतान और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं की सब्सिडी राशि सीधे सहकारी बैंकों के माध्यम से जोड़ी जाए।

उन्होंने निर्देश दिए कि न्यू सीएम पैक्स के पंजीकरण की प्रक्रिया को और अधिक सरल तथा पारदर्शी बनाया जाए। साथ ही, सहकारी शुगर मिलों के माध्यम से किसानों को गन्ना काटने की मशीनें कम किराये पर उपलब्ध करवाई जाएं, जिससे गन्ना उत्पादकों की श्रम और लागत दोनों में कमी आएगी तथा उत्पादन में वृद्धि होगी।

मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि प्रदेश में जन औषधि केंद्रों की संख्या में वृद्धि की जाए। इन केंद्रों के लिए स्थान अस्पतालों एवं स्वास्थ्य संस्थानों के निकट चिन्हित किए जाएं, ताकि आमजन को किफायती दामों पर गुणवत्तापूर्ण दवाएं आसानी से उपलब्ध हो सकें।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, भा.प्र.से, सहकारिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री विजयेंद्र कुमार, भा.प्र.से, तत्कालीन रजिस्ट्रार सहकारी समितियां श्री राजेश जोगपाल, शुगरफेड, हरियाणा के प्रबंध निदेशक कैप्टन शक्ति सिंह, भा.प्र.से, मुख्यमंत्री के ओ.एस.डी श्री भारत भूषण भारती सहित सहकारिता विभाग हरियाणा के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

हरियाणा में बनेगी राज्य सहकारिता नीति

सहकारिता आंदोलन को मिलेगी मजबूती

दिनांक 8 सितम्बर 2025 को हरियाणा सचिवालय, चण्डीगढ़ में मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में राज्य सहकारिता विकास समिति (एससीडीसी) की बैठक आयोजित की गई जिसमें केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी, अतिरिक्त सचिव श्री पंकज कुमार बंसल, संयुक्त सचिव श्री सिद्धार्थ जैन तथा निदेशक श्री कुमार राम कृष्ण सहित सहकारिता विभाग हरियाणा के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

हरियाणा अपनी राज्य सहकारिता नीति तैयार करने जा रहा है, जो राज्य में सहकारिता आंदोलन को और मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है। इस नीति का प्रारूप तैयार करने के लिए एक सप्ताह के अंदर एक समिति गठित करने का निर्देश दिया गया, जो प्रदेश की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अन्य राज्यों के अनुभवों को भी इसमें शामिल करेगी।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को हरियाणा में 34 पैक्स का विविधीकरण करने और अन्य राज्यों की श्रेष्ठ प्रणालियों को अपनाने के निर्देश दिए, ताकि राज्य के सहकारिता क्षेत्र को नवाचार और समावेशिता का मॉडल बनाया जा सके।

बैठक में जानकारी दी गई कि प्रदेश में सहकारी शिक्षा और प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के लिए रोहतक स्थित सहकारिता प्रबंधन केंद्र को त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय से संबद्ध करने की योजना है।

सहकारिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री विजयेंद्र कुमार ने बताया कि हरियाणा ने सहकारी संस्थाओं के डिजिटलीकरण में उल्लेखनीय प्रगति की है। अब तक 518 पैक्स ने ब्ववचेप्द्कपं पोर्टल पर डे–एंड प्रक्रिया पूरी की है, 39 पैक्स गतिशील डे–एंड प्रणाली पर कार्य कर रही हैं, जबकि 338 पैक्स ई–पैक्स मोड में परिवर्तित हो चुकी हैं। पारदर्शिता और जवाबदेही के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता का प्रमाण है कि 57 पैक्स ने वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए अपना ऑनलाइन ऑडिट भी पूरा कर लिया है।

तत्कालीन रजिस्ट्रार सहकारिता समितियां, हरियाणा श्री राजेश जोगपाल ने बताया कि राज्य ने नई बहुउद्देश्यीय सहकारी समितियाँ (एम– पैक्स), दुग्ध सहकारी समितियाँ और मत्स्य सहकारी समितियाँ स्थापित करने की महत्वाकांक्षी योजना बनाई है, ताकि सभी पंचायतों तक सहकारी संस्थाओं की व्यापक पहुंच हो सके। वर्ष 2028–29 तक 477 नई एम–पैक्स और 583 नई दुग्ध सहकारी समितियाँ बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इस वित्तीय वर्ष में अब तक 25 नई दुग्ध सहकारी समितियाँ गठित हो चुकी हैं और 15 मौजूदा समितियों को सुदृढ़ किया गया है। इसके अलावा, 22 नई एम–पैक्स स्थापित की गई हैं, जिन्हें जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों से जोड़ा गया है। इन समितियों ने अब तक 31.57 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया है, जिससे किसानों और ग्रामीण उद्यमियों को लाभ मिला है।

बैठक में बताया गया कि राज्य सहकारिता नेटवर्क को स्वास्थ्य और डिजिटल सेवाओं से भी जोड़ा जा रहा है। 95 पैक्स को प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र के रूप में संचालित करने की मंजूरी मिल चुकी है और 410 पैक्स कॉमन सर्विस सेंटर के रूप में कार्य कर रही हैं, जो गांव स्तर पर विभिन्न सरकारी सेवाएँ उपलब्ध करा रही हैं।

वहीं, हैफेड ने राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एनसीईएल) और राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक लिमिटेड (एनसीओएल) की सदस्यता प्राप्त की है, जिससे किसानों को निर्यात और जैविक खेती के क्षेत्र में नए अवसर मिलेंगे।

इसके अतिरिक्त, राज्य सहकारी बैंक को 19 जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों की ओर से बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) से बीमा कॉरपोरेट एजेंट के रूप में कार्य करने की स्वीकृति मिल चुकी है। आरबीआई की अंतिम मंजूरी लंबित है। इसके लागू होने पर सहकारी बैंक अपने सदस्यों को बीमा सेवाएँ भी उपलब्ध करा सकेंगे, जिससे ग्रामीण समुदायों की वित्तीय सुरक्षा मजबूत होगी।

बैठक में भारतीय खाद्य निगम (एफ.सी.आई) क्षेत्रीय कार्यालय की महाप्रबंधक (क्षेत्र), सुश्री शरणदीप कौर बराड़ सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने हरियाणा सचिवालय, चण्डीगढ़ में किया पौधारोपण "एक पेड़ माँ के नाम"

Sh. Ashish Kumar Bhutani, IAS
Secretary, Ministry of Cooperation, Govt. Of India

Sh. Pankaj Kumar Bansal, IAS
Additional Secretary, Ministry of Cooperation, Govt. of India

Sh. Siddharth Jain, IAS
Joint Secretary, Ministry of Cooperation, Govt. of India

Sh. Kumar Ram Krishna
Director, Ministry of Cooperation, Govt. of India

Sh. Dharmender Kumar, IAS
Special Secretary, Cooperation, Haryana

दिवाली के उपलक्ष्य में सूरजकुंड में लगाया गया आत्मनिर्भर भारत–स्वदेशी मेला

वोकल फॉर लोकल, आत्मनिर्भरता और स्वदेशी से बनेगा विकसित भारत : नायब सिंह सैनी

2 से 7 अक्टूबर, 2025 तक चला मेला। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने किया शुभारंभ और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल द्वारा किया गया समापन

फरीदाबाद के सूरजकुंड मेला ग्राउंड में दिपावली के उपलक्ष्य में पर्यटन विभाग हरियाणा द्वारा माननीय पर्यटन मंत्री हरियाणा डॉ. अरविन्द कुमार शर्मा जी की अध्यक्षता में दिनांक 2 से 7 अक्टूबर, 2025 तक आत्मनिर्भर भारत–स्वदेशी मेले का भव्य मेला लगाया गया जिसमें लगभग 500 स्टॉल लगाए गए। मेले का शुभारंभ 2 अक्टूबर को माननीय मुख्यमंत्री हरियाणा श्री नायब सिंह सैनी एवं समापन 7 अक्टूबर को माननीय केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल द्वारा किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य रखा है जिसका मार्ग वोकल फॉर लोकल, आत्मनिर्भरता और स्वदेशी से होकर जाता है।

श्री नायब सिंह सैनी ने विजय दशमी की बधाई देते हुए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री को उनकी जयंती पर श्रद्धासुमन भी अर्पित किए। उन्होंने कहा कि इस बार दिवाली मेले का थीम आत्मनिर्भर भारत–स्वदेशी मेला और वी यूनाइट फैमिलीज है। जिस प्रकार स्वतंत्रता आंदोलन को स्वदेशी के मंत्र से ताकत मिली, वैसे ही देश की समृद्धि को भी स्वदेशी के मंत्र से शक्ति मिलेगी। हमें वो सामान खरीदने चाहिए जोकि मेड इन इंडिया हो, जिसमें देश के नौजवानों की मेहनत लगी हो। इतिहास से पता चलता है कि जब भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था, उस काल की समृद्धि में स्वदेशी का बड़ा योगदान था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मेला उत्सव एवं मनोरंजन के साथ–साथ स्थानीय व्यापार, संस्कृति और कला को बढ़ावा देने का एक सशक्त मंच है। स्वदेशी का उत्सव दिवाली मेला देश के शिल्पकारों

का मनोबल भी बढ़ाता है। उन्होंने मेला में पहले ही दिन पहुंचे लोगों से कहा कि आप यहां से सामान खरीदेंगे तो न केवल शिल्पकारों को प्रोत्साहन मिलेगा बल्कि देश आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ेगा।

उन्होंने मेला के आयोजन के लिए पर्यटन विभाग, शिल्पकारों, गीत–संगीत के दलों की प्रशंसा भी की। इससे पहले उन्होंने मेला परिसर का भ्रमण भी किया और मेला के प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन भी किया।

स्वदेशी अपनाएंगे, देश को आत्मनिर्भर बनाएंगे : डॉ. अरविंद शर्मा

सहकारिता एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने दिवाली मेला के शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर आज देश स्वदेशी उत्पादों को लेकर आगे बढ़ रहा है। देश को आत्मनिर्भर बनाने में स्वदेशी उत्पादों की बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका है। पर्यटन विभाग ने इसी

दिशा में आगे बढ़ते हुए दिवाली मेला का आयोजन किया है।

इस अवसर पर शहरी स्थानीय निकाय मंत्री श्री विपुल गोयल, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री श्री राजेश नागर, पूर्व मंत्री एवं बल्लभगढ़ के विधायक श्री मूलचंद शर्मा, विरासत एवं पर्यटन विभाग की प्रधान सचिव श्रीमती कला रामचंद्रन, सहित गणमान्य उपस्थित रहे।

आत्मनिर्भर भारत–स्वदेशी मेला के थीम को चरितार्थ कर गया सूरजकुंड दिवाली मेला'

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल पहुंचे समापन समारोह में सूरजकुंड

केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सरकार उल्लेखनीय कदम बढ़ा रही है और सूरजकुंड की धरा पर लगा यह स्वदेशी दिवाली मेला आत्मनिर्भरता का साक्षात उदाहरण पेश कर रहा है।

केंद्रीय मंत्री मंगलवार को सूरजकुंड (फरीदाबाद) में चल रहे दिवाली मेला के समापन समारोह में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। केंद्रीय मंत्री का सूरजकुंड पहुंचने पर हरियाणा सरकार में पर्यटन एवं विरासत मंत्री डा.अरविंद कुमार शर्मा द्वारा स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

अरावली की पहाडियों से घीरे सूरजकुंड की खूबसूरत वादियों में आत्मनिर्भर भारत–स्वदेशी मेला की थीम पर आयोजित द्वितीय सूरजकुंड दिवाली मेला सांस्कृतिक विधा के साथ विधिवत रूप से संपन्न हुआ। समापन समारोह में मुख्यातिथि ने मेला परिसर में लगी स्टाल का अवलोकन किया और स्वदेशी को बढ़ावा दे रहे स्टाल संचालकों को इस पुनीत अभियान में भागीदार बनने पर प्रोत्साहित किया। मुख्य चौपाल पर आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री व पर्यटन मंत्री हरियाणा ने महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर उनके चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें याद किया और उपस्थित जनसमूह को उनके दिखाए मार्ग

पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

केंद्रीय ऊर्जा एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि यह स्वदेशी मेला केवल सामान बेचने का माध्यम नहीं है, बल्कि यहां हरियाणा के साथ–साथ देश की समृद्ध संस्कृति, खानपान और परिधान देखने का मिलते हैं। सूरजकुंड दिवाली मेला देश की एकता और अखंडता को मजबूत कर रहा है। आत्मनिर्भर भारत स्वदेशी मेला की थीम पर आधारित यह मेला प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सपने लोकल फॉर वोकल को पूरा करने में मील का पत्थर साबित हो रहा है। आने वाले समय में मेले को बढ़ाने की दिशा में और उचित कार्य किए जाएंगे। इस मेले की छटा सुंदरता और आकर्षण लगातार बढ़ रहा है। यह मेला संस्कृति और विरासत का अनूठा संगम है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी से सूरजकुंड में अलग–अलग समय में विभिन्न नामों से ऐसे और भी मेले आयोजित करने का सुझाव भी दिया।

डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा दे रहा सूरजकुंड मेला

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि इस बार आयोजित द्वितीय सूरजकुंड दिवाली मेला में 450 से अधिक स्टॉल लगाए गए थे। इन स्टॉल पर इस बार डिजिटल लेनदेन का प्रचलन को बढ़ावा देने के लिए ऑनलाइन पेमेंट के लिए क्यूआर कोड भी लगाए गए थे। वहीं इससे पहले मेले में सभी स्टॉल की बुकिंग भी ऑनलाइन माध्यम से की गई थी। इससे प्रधानमंत्री के डिजिटल भारत के संकल्प को बढ़ावा मिला है। उन्होंने बताया कि मेला में आत्मनिर्भर भारत–स्वदेशी मेला के तहत स्वदेशी उत्पादों की अधिक स्टॉल लगाई गई हैं। उन्होंने मेले में आए शिल्पकार, हस्तशिल्प और स्टॉल संचालकों को भी प्रोत्साहित किया।

6 दिनों में करीब 5 करोड़ का हुआ कारोबार

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने बताया कि पिछली बार वर्ष 2023 में लगाए दिवाली मेला से इस बार लोगों में चार गुना इजाफा हुआ है। वहीं इस बार 2 अक्टूबर से 7 अक्टूबर तक लगाए गए मेला में करीब 5 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ है। आने वाले समय में इसमें ओर भी इजाफा होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार इसमें नवाचार को बढ़ावा देते हुए अधिक से अधिक गुणवत्ता, मनोरंजन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को समावेश करते हुए देश ही नहीं अपितु विश्व भर से पर्यटकों को जोड़ने का काम कर रही है।

स्वस्थ नारी–सशक्त परिवार अभियान के तहत नागरिक अस्पताल गोहाना में आयोजित स्वास्थ्य जांच शिविर में पहुंचे सहकारिता मंत्री, डॉ, अरविंद कुमार शर्मा

स्वस्थ मां से परिवार–राष्ट्र होगा सशक्तः शर्मा

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने दनागरिक अस्पताल, गोहाना में स्वस्थ नारी–सशक्त परिवार अभियान के तहत आयोजित स्वास्थ्य जांच शिविर में शिरकत की। एस.एम.ओ डॉ. संजय ने पुष्पगुच्छ भेंट कर मंत्री जी का स्वागत किया। मंत्री जी ने शिविर में योजनाओं का अवलोकन करते लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड सौंपे। उन्होने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने नारी शक्ति के उत्थान को लेकर निरंतर मजबूत कदम उठाए हैं। स्वस्थ मां–सशक्त परिवार अभियान में महिलाओं की भागीदारी से राष्ट्र सशक्त होगा। उन्होने प्रशासन, चिकित्सकों और आमजन से आह्वान किया कि वो प्रत्येक महिला को स्वास्थ्य जांच के लिए नज़दीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचने के लिए प्रेरित करें। बीते 11 साल के दौरान नारी सशक्तिकरण को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के माध्यम से बेटियों के सामाजिक, शैक्षणिक उत्थान को लेकर और उन्हें भ्रूण हत्या से बचाकर जीवन देना सुनिश्चित किया गया। महिलाओं को राजनीतिक सशक्तिकरण के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण, स्वास्थ्य संरक्षण के लिए पीएम मातृत्व योजना, स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान, पोषण स्तर उत्थान कर लिए प्रधानमंत्री पोषण अभियान, आत्मनिर्भर बनाने के लिए ड्रोन दीदी से लेकर बीमा सखी योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के माध्यम से समाज व देश में बड़ा बदलाव आया है। इस दौरान कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने क्षय रोगियों को लायंस क्लब, गोहाना द्वारा उपलब्ध करवाई गई पोषण किट भी वितरित की। शिविर में 470 नागरिकों का स्वास्थ्य जांचा गया।

सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत सहकारिता मुख्यालय, में रक्तदान शिविर का हुआ भव्य आयोजन

सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रजिस्ट्रार, सहकारी समितियाँ, हरियाणा के मुख्यालय परिसर, सैक्टर–2, पंचकूला में दिनांक 29.09.2025 को सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ तत्कालीन रजिस्ट्रार, सहकारी समितियाँ, हरियाणा श्री राजेश जोगपाल (रिटायर्ड भा.प्र.से) एवं वर्तमान में रजिस्ट्रार, सहकारी समितियाँ, हरियाणा श्री महेंद्र पाल, भा.प्र.से ने किया एवं मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे।

शिविर का आयोजन हरियाणा राज्य रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से किया गया। उनकी चिकित्सक टीम ने पूरे आयोजन को कुशलता, अनुशासन और सुरक्षा मानकों के साथ संपन्न कराया। सभी रक्तदाताओं की चिकित्सीय जाँच कर उन्हें प्रमाणपत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। शिविर में सहकारिता विभाग, हरियाणा के अधिकारियों, कर्मचारियों, विभिन्न सहकारी संस्थाओं के प्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया।

माननीय आर.सी.एस ने अपने संबोधन में कहा कि "रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नई जिंदगी दे सकता है। सहकारिता की भावना भी यही सिखाती है कि हम सब मिलकर समाज के हित में कार्य करें।"

उन्होंने यह भी कहा कि सहकारिता विभाग केवल आर्थिक या संस्थागत सशक्तिकरण तक सीमित नहीं है, बल्कि समाजसेवा के कार्यों में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। सेवा पखवाड़ा जैसे अभियानों के माध्यम से विभाग यह संदेश देना चाहता है कि सहकारिता केवल एक व्यवस्था नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है जिसमें "मैं" नहीं "हम" की भावना सर्वोपरि होती है।

इस रक्तदान शिविर में 100 से अधिक अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सहकारी संस्थाओं से जुड़े लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। कई वरिष्ठ अधिकारियों ने भी स्वयं रक्तदान कर मानवता उदाहरण प्रस्तुत किया। रक्तदान के लिए आए प्रतिभागियों में विशेष उत्साह देखा गया और सभी ने इसे सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत "मानवता के उत्सव" के रूप में मनाया।

रक्तदाताओं ने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्हें गर्व है कि वे ऐसे कार्यक्रम का हिस्सा बने जो किसी की जान बचाने में सहायक है। कई युवा कर्मचारियों ने पहली बार रक्तदान किया और इसे "जीवन का सबसे संतोषजनक अनुभव" बताया।

बता दें कि यह शिविर सहकारिता विभाग की सामाजिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। हरकोफैड (सहकारिता विभाग, हरियाणा) के प्रचार अधिकारी श्री सौरव अत्री ने कहा कि भविष्य में भी विभाग समय–समय पर इस प्रकार के जनसेवी कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा ताकि समाज में सहकारिता और सेवा की भावना और अधिक मजबूत हो।

शिविर में सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण, विभिन्न सहकारी संघों और संस्थाओं के प्रतिनिधि, कर्मचारियों एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। आयोजन स्थल पर वातावरण उत्साह, प्रेरणा और सहयोग की भावना से ओत–प्रोत रहा।

अंत में रजिस्ट्रार ने सभी प्रतिभागियों, आयोजन समिति एवं रेड क्रॉस की टीम का धन्यवाद किया और कहा कि "रक्तदान केवल शरीर का नहीं, बल्कि आत्मा का दान है। सहकारिता का असली अर्थ ही 'एक–दूसरे की मदद करना' है, और आज का यह आयोजन उसी भावना का सशक्त उदाहरण है।"

श्री राजेश जोगपाल, भा.प्र.से हुए सेवानिवृत

दिनांक 30.09.2025 को श्री राजेश जोगपाल, भा.प्र.से, जो हरियाणा के रजिस्ट्रार, सहकारी समितियाँ के पद पर कार्यरत थे, सेवानिवृत हो गए। रजिस्ट्रार कार्यालय में एक भावनात्मक एवं गरिमापूर्ण सेवानिवृत्ति समारोह आयोजित किया गया, जिसमें श्री राजेश जोगपाल, आई.ए.एस., को उनके सेवानिवृत्त होने के अवसर पर हार्दिक सम्मान दिया गया। सहकारिता विभाग के इतिहास में यह पहला अवसर था कि जब कोई रजिस्ट्रार सहकारी समितियां, हरियाणा इस कार्यालय से सेवानिवृत हुए हैं।

श्री राजेश जोगपाल जी का एक प्रशासनिक अधिकारी रूप में पूरा कार्यकाल सेवा, समर्पण और निष्पक्षता का उदाहरण रहा है। इन्होंने हरियाणा सरकार के विभिन्न विभागों एवं जिला प्रशासन में रहते हुए न केवल नई नीतियों को लागू किया बल्कि उन्हें मानवीय स्पर्श भी दिया। इनका कार्य करने का तरीका हमेशा स्पष्ट और पारदर्शी रहा है। इतनी लंबी प्रशासनिक सेवा के दौरान आदरणीय जोगपाल जी की छवी पूर्ण रूप से बेदाग रही है एवं जब भी किसी कार्यालय की बागडोर इनके हाथों में आई इन्होने उस कार्यालय पर अपनी एक अनोखी छाप छोड़ी है।

कार्यक्रम में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों, विभिन्न सहकारी संस्थाओं के प्रतिनिधियों तथा सहकारिता क्षेत्र से जुड़े अधिकारियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। सभी ने श्री राजेश जोगपाल जी के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में सहकारी विभाग में कई महत्वपूर्ण सुधार एवं नवाचार हुए।

अपने कार्यकाल के दौरान इन्होने सहकारी समितियों के डिजिटलीकरण, पारदर्शी प्रशासन, ई–सेवाओं के विस्तार, और सहकारिता क्षेत्र में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने जैसे अनेक प्रयास किए। उनके मार्गदर्शन में सहकारी संस्थाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए, जिससे विभागीय कार्यप्रणाली अधिक प्रभावी बनी।

समारोह के दौरान विभिन्न अधिकारियों ने उन्हें स्मृति–चिह्न भेंट किया तथा उनके योगदानों को

याद करते हुए शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर श्री राजेश जोगपाल ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि उन्होंने सहकारिता क्षेत्र में कार्य करना हमेशा गर्व की बात समझा और विभाग के अधिकारियों–कर्मचारियों के सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि सहकारिता भावना समाज में एकता, पारदर्शिता और सेवा की भावना को मजबूत करती है, और वे सदैव इस क्षेत्र से जुड़े रहेंगे।

कार्यक्रम का संचालन संयुक्त रजिस्ट्रार श्री नरेश गोयल ने किया। उन्होने कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान आदरणीय जोगपाल जी ने हमें परिवार की तरह साथ रखा, गर्व इसलिए क्योंकि ऐसे कर्मठ, ईमानदार एवं समयनिष्ठ अधिकारी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

हम सब के लिए जोगपाल जी केवल एक अधिकारी नहीं बल्कि मार्गदर्शक, सलाहकार और अभिभावक की तरह रहे हैं। इन्होंने सदैव ही कर्मचारियों की समस्याओं को समझा और उनका समाधान करने के लिए तत्पर रहे। कार्यस्थल पर अनुशासन और आत्मीयता का जो वातावरण इन्होंने बनाया, वह सचमुच अनुकरणीय एवं सराहनीय है। इनका योगदान सिर्फ प्रशासन तक सीमित नहीं रहा बल्कि सहकारिता विभाग की सभी संस्थाओं, समितियों, एवं सभी कर्मचारियों के बीच एक सेतु का काम किया। इनकी दूरदृष्टि ने हमें कई बार नई राह दिखाई और उनकी सोच ने हमें यह सिखाया कि सेवा केवल कर्तव्य नहीं बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व भी है।

आज जब वे अपनी सक्रिय प्रशासनिक सेवा से विदा ले रहे हैं, तो हम सभी सहकारिता विभाग के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी के दिल में एक खालीपन जरूर रहेगा। लेकिन हमें गर्व है कि हमने उनके साथ काम किया, उनसे सीखा और उनकी छत्रछाया में कार्य किया।

हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि इनके जीवन का यह नया अध्याय उत्तम स्वास्थ्य, खुशहाली और परिवार के साथ सुखद पलों से भरा हो। उनकी ऊर्जा और अनुभव आगे भी समाज और हम सबके लिए प्रेरणा बने रहेंगे।

सेवानिवृत सम्मान कार्यक्रम में राजेश जोगपाल जी की बहन एवं मुख्य आयकर आयुक्त, चण्डीगढ़ एवं पंचकुला उपस्थित रही। अंत में, उपस्थित सभी अतिथियों ने श्री राजेश जोगपाल जी को दीर्घायु, स्वस्थ और सुखमय जीवन की शुभकामनाएँ दीं।

सेवानिवृति के अवसर पर श्री राजेश जोगपाल, भा.प्र.से ने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित करते हुए ।

Ms. Poonam Nara, Addl. RCS

Sh. Virender Kumar, Addl. RCS

Smt. Kavita Dhankhar, Addl. RCS

Smt. Suman Balhara, Addl. RCS

Sh. Yogesh Sharma, Joint RCS

Sh. Naresh Goyal, Joint RCS

Sh. Amitabh Arya, Joint Chief Auditor

सेवा पखवाड़ा के तहत हरकोफेड में स्वच्छता अभियान का आयोजन

सेवा पखवाड़ा

"एक दिन, एक घंटा, एक साथ"
हरकोफैड ने लिया स्वच्छता का संकल्प

स्वच्छता ही सेवा 2025
17 सितंबर-2 अक्टूबर 2025

दिनांक 26 सितंबर, 2025 को सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत हरकोफैड मुख्यालय, पंचकूला में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान की अध्यक्षता हरकोफेड के प्रबंध निदेशक श्री नरेश गोयल ने की।

अभियान का शुभारंभ कार्यालय परिसर में किया गया, जिसमें सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। इस दौरान हरकोफेड परिसर, पार्किंग स्थल, रिकॉर्ड रूम, बैठक कक्ष तथा आस–पास के क्षेत्र की साफ–सफाई की गई। कर्मचारियों ने अपने–अपने कार्यस्थलों को स्वच्छ किया और यह संकल्प लिया कि वे प्रतिदिन कम से कम कुछ समय स्वच्छता के लिए समर्पित करेंगे।

श्री नरेश गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि "स्वच्छता केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक सामाजिक जिम्मेदारी है।" उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा आरंभ किए गए स्वच्छ भारत अभियान के संदेश को आगे बढ़ाते हुए सेवा पखवाड़ा

के दौरान इस प्रकार की गतिविधियाँ समाज में स्वच्छता के प्रति जन–जागरूकता बढ़ाने का माध्यम बनती हैं।

उन्होंने सभी कर्मचारियों से अपील की कि वे "एक घंटा – एक दिन – एक साथ" के नारे को केवल आज के लिए नहीं, बल्कि इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। कार्यालय परिसर को साफ–सुथरा रखना केवल प्रबंधन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

अभियान के दौरान कर्मचारियों ने नारे लगाए : "स्वच्छता ही सेवा है", "स्वच्छ हरकोफेड – स्वस्थ हरकोफेड", "एक कदम स्वच्छता की ओर" जिससे पूरे परिसर में उत्साह और प्रेरणा का वातावरण बना रहा।

अभियान के समापन पर सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद देते हुए श्री गोयल ने कहा कि स्वच्छता में अनुशासन, सहयोग और सामूहिक भावना की आवश्यकता होती है। हरकोफेड परिवार इस दिशा में निरंतर प्रयासरत रहेगा ताकि एक स्वच्छ और स्वस्थ कार्य वातावरण स्थापित किया जा सके।

अंत में, कर्मचारियों ने "स्वच्छ हरियाणा दृ स्वस्थ हरियाणा" का संकल्प दोहराया और भविष्य में भी इस प्रकार के सामाजिक सरोकार वाले अभियानों में सक्रिय भागीदारी का वचन दिया।

दिनांक 30.09.2025 को हरकोफैड मुख्यालय के कर्मठ कर्मचारी श्री रेशम बहादुर, सेवादार के पद से सेवानिवृत हो गए। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक श्री नरेश गोयल समेत सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बधाई दी।

हरकोफैड की वार्षिक कार्ययोजना 2025-26 के कार्यक्रम महिला विचार गोष्ठी

दिनांक 18.09.2025 के गांव कुजंल (यमुनानगर) में हरकोफैड द्वारा एक महिला विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि गांव की सरपंच श्रीमती गुरमीत कौर रही। इस विचार गोष्ठी में विभिन्न गांवों की 150 से ज्यादा महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम को आरम्भ करते हुए श्री जगदीप सिंह, शिक्षा अधिकारी ने हरकोफैड के बारे में विस्तार से जानकारी दी और विचार गोष्ठी के महत्व के बारे में बताया। इस कार्यक्रम में बोलते हुए श्री सरबजीत सिंह, अधिकारी, वीटा प्लांट अम्बाला ने कहा कि सरकार चाहती है, ज्यादा से ज्यादा महिला सहकारी समितियां बनाई जाएं कार्यक्रम में आये हुए वक्ता श्री शशी गुप्ता ने उपस्थित वक्ताओं के एम.एस.एम.ई. की विभिन्न उत्पादों पर लोन की सुविधा व उन पर मिलने वाली सब्सिडी के बारे में बताया। श्री विजेन्द्र यादव सहायक प्रबन्धक केन्द्रीय सहकारी बैंक यमुनानगर ने बैंक द्वारा दी जा रही सुविधाओं के बारे में विस्तारपूर्वक बारे बताया।

इस कार्यक्रम में बोलते हुए श्री पंकज, निरीक्षक सहकारी समितियां हरियाणा यमुनानगर ने समितियों के गठन के बारे में बताया और कौन–कौन समितियों महिलाएं गठित कर सकती है।

कार्यक्रम में श्रीमती रेखा देवी, समाजिक कार्यक्रता ने अपने अनुभव महिलाओं के साथ सांझा किये और उन्होंने बताया कि किस तरह आगे बढ़े और महिलाओं का उत्साहवर्धन किया कि आप भी मेरी तरह कमा सकती है।

अन्त में श्री जगदीप सिंह, शिक्षा अधिकारी ने मुख्य अतिथि व वक्ताओं का हरकोफैड की तरफ से स्मृति के रूप में उपहार देकर सभी महिलाओं का धन्यवाद किया।

जैविक खेती विकास सेमीनार

दी हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ पंचकूला के तत्वाधान से जिला गुरूग्राम के गांव मांगरोला में जैविक खेती विकास सेमीनार का आयोजन किया गया। जिसमें श्री बालकिशन यादव पाषर्द मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

सेमिनार की शुरूआत में श्री सत्यानारायण यादव, सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी हरकोफैड पंचकूला ने मुख्य अतिथियों व अतिथि वक्ताओं का स्वागत किया ओर हरकोफैड पंचकूला द्वारा किसानों की जागरूकता के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों के बारे में बताया ओर सहकारी आत्मबल के बारे में बताया उन्होंने सहकारी विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में बताते हुए सहकारी मुल्यों पर की प्रकाश डाला।

कृषि विज्ञान केन्द्र शिकोहपूर, गुरूग्राम से डॉ. भरत सिंह वैज्ञानिक, डॉ. गोख पपनाई कृषि वैज्ञानिक ने किसान भाइयों को जैविक खेती व प्राकृतिक खेती की प्रक्रिया व तरीके के बारे में बताते हुए, जैविक खेती के लाभ के बारे में अवगत करवाया। उन्होंने जैविक के आर्थिक व स्वास्थ्य सम्बन्धी फायदे बताए।

कृषि विभाग गुरूग्राम से डॉ. राजपाल यादव ने किसान भाईयों को जैविक खेती के विकास हेतु हरियाणा व केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में बताया व सबसिड़ी आधारित योजनाओं के बारे में विस्तृत रूप से बताया। किसानों ने भी खुब प्रश्नोतरी की ओर डॉ. राजपाल ने किसानों से सभी प्रश्नों का बखुबी जवाब देते हुए जैविक खेती की अहमीयत के बारे में बताया।

इसमें किसान भाईयों के साथ–2 मनोनीत पाशर्द श्री किरोडी तेवर, पार्षद कारोला, श्री महेन्द्र सिंह व गणमान्य व्यक्तियों ने सेमिनार में हिस्सा लिया और ज्ञान वर्धक बताया। उन्होंने हरकोफैड के सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी श्री सत्यनारायण से अनुरोध किया कि ऐसे कार्यक्रम हर वर्ष हमारे गांव में करवायें जायें।

विद्यार्थी चेतना कार्यक्रम

जिला झज्जर में सहकारिता के प्रचार प्रसार कार्य को इस माह गति प्रदान करते हुए सेवा पखवाड़ा में सक्रिय योगदान देते हुए विद्यार्थी चेतना के अन्तर्गत गांव दुल्हेड़ा, जहाजगढ़ बेरी व माजरा के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में छात्र – छात्राओं को सहकारिता के मानव विकास में योगदान व विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला वहीं दूसरी और 'स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण डाला के महत्व को बताया गया। इस कार्यक्रम में बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए विषय वस्तु की जिज्ञासा/रूचि बढ़ाने के लिए मंच से पूछी गई प्रश्नावली के सही उत्तर देने वाले प्रत्येक स्कूल के पांच–पांच बच्चों को डाक्यूमैंट फाईल ईनाम स्वरूप देकर प्रोत्साहित भी किया। बच्चों द्वारा कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता पर्यावरण सरंक्षण व वृक्षारोपण का सकंल्प लेकर वातावरण भी किया।

माननीय श्री नायाब सिंह सैनी एवं श्री अरविंद शर्मा के सेवा संकल्प एवं एक पेड़ मां के नाम को चरितार्थ करते है। श्री नरेश गोयल प्रबन्ध निदेशक हरकोफैड के कुशल दिशा निर्देशन में जिला झज्जर के गांव दुल्हेड़ा के धार्मिक स्थल उब्बाला कुरिया (दुल्हेड़ा) व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हसनपुर (झज्जर) में एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण कार्यक्रम का समापन आयोजन किया गया। उब्बास कुरिया के महल व प्रबन्धक कमेटी के अतिरिक्त शाखा प्रबन्धक व पैक्स प्रबन्धक ने भी एक–एक पेड़ गोद लेकर पौधा रोपण व उसके सरंक्षण का सकंल्प लिया। खास बात रही कि इस परिसर में लोगों की मनोकामना के अनुरूप नीम, पीपल व बड़ की त्रिवेगियां ही लगवाई गई। इसी प्रकार हसनपुर स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा भी अध्यापक वर्ग की गरिमामयी उपस्थिति में अपने प्रधानाचार्य के कर कमलों से पौधारोपण किया।

सेवा परखवाड़ा के अन्तर्गत हरकोफैड के तत्वाधान में सहकारी समितियों के वर्तमान व भावी सदस्यों को जागरूक करने के लिए बुपनिया एम पैक्स व आसौदा एमपैक्स के प्रांगण में सहकारिता विषय पर विस्तृत चर्चा हुए सदस्यों को नवीनतम जानकारियां प्रदान करते हुए ऋण की अदायगी के लिए आह्वान किया। इस जागरूकता अभियान में गांव बुपनिया में डॉ. कुलदीप द्वारा पशुओं के रख रखाव व खान–पान के विषय में जानकारी प्रदान की वहीं श्री सुरेन्द्र आह्वान वरिष्ठ लेखाकार द्वारा पैक्सों के आधुनिकरण व उपलब्ध सुविधाओं पर विशेष तौर वर प्रकाश डाला।

गांव आसौदा में सदस्यों एवं भावी सदस्य के जागरूकता अभियान में बुजुर्ग सदस्यों में विशेष उपस्थिति दर्ज कराई और पूर्व से अब तक परिवर्तन पर श्री महेन्द्र सिंह भूतपूर्व सरपंच व डायरेक्टर सी.वी. झज्जर ने विचार प्रकाट करते हुए सहकारी प्रकाश पत्रिका की भूमिका पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर आमान्त्रित डॉ. विकास ने बरसात के सजिन में पशुओं में होने वाली बिमारियों से अवगत कराया व इससे बचाव के उपाय बताए। शाखा प्रबन्धक आसौदा ने बैंक की सुविधाओं, योजनाओं व पूंजी जमा करवाने व ऋण की वसूली समय पर करके ब्याज माफी की योजना का लाभ व फसल बीमा पर प्रकाश डाला।

हरकोफैड पंचकूला के ओर से इस सभी कार्यक्रमों की सफलता के लिए स्कूल प्रधानाचार्य, शाखा व पैक्स प्रबन्धकों व कार्यक्रम सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

श्री नारायण कौशिक, शिक्षा अनुदेशक, हरकोफैड, झज्जर।

हरकोफैड पंचकूला द्वारा राजकीय व माध्यमिक विद्यालय ताजपुर (महेन्द्रगढ़) में विद्यार्थी चेतना कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें श्री मित्रपाल शिक्षा अनुदेशक हरकोफैड द्वारा कक्षा 11वीं व 12वीं के विद्यार्थियों को सहकारिता के प्रति जागरूकता किया गया जिसमें सहकारिता का इतिहास वर्तमान स्थिति व्यापकता सहकारिता के क्षेत्र विस्तार सफलता व सहकारिता से जुड़ने आदि पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया गया व विद्यार्थियों का सहकारिता के साथ अपने उज्जवल भविष्य को सुरक्षित करने व अन्य लोगों के लिए रोजगार सर्जन करने पर विस्तार से चर्चा की गई है। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य व अध्यापक सहित कक्षा 11वीं व 12वीं के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हरकोफैड पंचकूला के तत्वाधान से जिला गुरूग्राम में स्कूल के बच्चों को सहकारी मूल्यों, सिद्वांत व सहकारी व्यवसाय का मॉडल व सहकारी इतिहास के साथ–साथ आने वाले समय में सहकारी समझ व व्यवसाय की अहमियत के बारे में बच्चों को अवगत कराने के लिए विद्यार्थी चेतना कार्यक्रम आयोजित करवाए जा रहे हैं। हरकोफैड पंचकूला के सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी श्री सत्यनारायण यादव ने जिले विभिन्न स्कूल ऊँचा माजरा, डाडावास, मानेसर आदि स्कूलों में विद्यार्थी चेतना कार्यक्रम का आयोजन किया व बच्चों को मोटिवेट करते हुए सहकारिता विशय पर प्रश्नोतरी भी की और बच्चों को सही उत्तर देने पर एक–एक डाक्यूमेंट फाईल भी गिफ्ट में दी गई। सभी स्कूलों के प्रिंसीपल ने श्री सत्यानारायण यादव, हरकोफैड पंचकूला की तारीफ की।

जिला रोहतक में विद्यार्थी चेतना कार्यक्रम का आयोजन हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लि. पंचकूला द्वारा आयोजित किया गया। ये कार्यक्रम राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गांव ककराना जिला रोहतक में शिक्षा अनुदेशक श्रीमती अर्चना देवी ने करीब 55 विद्यार्थियों को सहकारिता की परिभाषा, सिद्धान्त व सहकारिता 1844 में राबर्ट ओवेन जो कपड़े के व्यापारी थे, ने 28 जूलाहों के साथ मिलकर एक सहकारी समिति बनाई थी और एक कंन्जूमर स्टोर खोला था जिसमें एक इंसान की सभी जरूरत की चीजें मिलती थी। सहकारिता को अपनाते हुए हमने अपने काम जैसे स्कूल में काम आने वाला सामान समूह बनाकर व थोक की दुकान या सीधे फैक्टरी से ही खरीदवाना चाहिए, इससे आप के माता पिता की मेहनत की कमाई बचेगी और जो बचत होगी वो आगे चलकर आप के ही काम आयेगी। सहकारिता ए.आर. सी.एस. कार्यालय के बारे में व स्वच्छ भारत अभियान 02 अक्टूबर 2014 से 02 अक्टूबर 2019 तक अभियान इत्यादि की तरफ विशेष ध्यान देने बारे जागरूक किया। इन कार्यक्रमों के दौरान प्रश्नोत्तरी की गई व सही जवाब देन वाले 06 विद्यार्थियों को विद्यालय की प्रिंसीपल महोदय/महोदया के हाथों द्वारा दस्तावेज फाईलों/रजिस्ट्रर वितरित की गई।

स्कूलों के प्रधानाचार्य श्रीमती सुमन जी ने अपने सम्बोधन में हरकोफैड द्वारा किए गए कार्य की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से निश्चय ही समाज में जागरूकता आयेगी।

सदस्य जागरूकता कार्यक्रम

पैक्स नारनौद हिसार में हरकोफैड पंचकूला द्वारा सदस्य जागरूक कार्यक्रम का आयोजन किया गया । जिसमे हिसार निरीक्षक कार्य समिति श्री मंजीत सिंह व पैक्स प्रबन्धन श्री रविन्द्र व स्टाफ सदस्य व अन्य सदस्यों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया । इस कार्यक्रम में पैक्स का कम्प्यूटरी कर्ण करने से इसके होने वाले लाभो की विस्तृत चर्चा की । हारकोफेड से श्री ऋषिपाल ने इस कार्यक्रम का संचालन किया।

सदस्य जागरूकता कार्यक्रम पिटोदी पैक्स (भिवानी) में आयोजित किया गया, जिसमें पैक्स सदस्यों ने भाग लिया व केन्द्रिय सहकारी बैंक के विकास अधिकारी श्री अशोक कुमार वर्मा ने पैक्स के कम्पूयूटरीकरण व बैंक की लोन स्कीम बारे विस्तार पूर्वक बताया व देवेन्द्र सिंह सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी ने नई राष्ट्रीय सहकारी पत्रिका बारे बताया की पैक्स क्या–क्या नए कार्य कर सकती है जिसमें गोदाम, स्टोर गैस एजेन्सी पैट्रोल पम्प व बीज सहकारी समिति एक्सपोर्ट समिति, आर्गनिक समिति बारे व जैविक खेती बारे बताया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

अम्बाला, हरकोफैड द्वारा गांव रामपूर में 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दिनांक 12.09.2025 से 21.09.2025 तक। इसमें महिलाओं को टेडी बियर बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया व टेडी बियर बनाने के तरीके बारिकी से समझे। उन्होंने कहा कि महिलाओं को घर के काम के लिए ही समझा जाता है, लेकिन महिलाओं ने अपने आप को पहचाना और हर क्षेत्र में आगे आई कुछ महिलाओं ने ऐसा करके दिखाया तो दूसरी महिलाओं को भी आगे आने का रास्ता मिला। कार्यक्रम का संचालन सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी श्री जगदीप सिंह सांगवान द्वारा किया गया।

हरकोफैड की वार्षिक कार्ययोजना 2025-26 के तहत पौधारोपण कार्यक्रम के आयोजन

Transforming Agricultural Marketing and Farmers' Collectives: Problems, Prospects, and Strategic Solutions in Rural India

Introduction

Agriculture remains the backbone of India's economy, employing nearly half of the country's workforce and contributing significantly to rural livelihoods. However, the agricultural value chain has historically relied heavily on the marketing of agricultural produce. Despite impressive growth in production, farmers often fail to receive fair prices for their produce due to inefficiencies, exploitation by intermediaries, and limited market access. To address these issues, the formation of **farmers' collectives**, such as **Farmer Producer Organizations (FPOs)**, **cooperatives**, and **self-help groups (SHGs)**, has emerged as a transformative strategy to strengthen the bargaining power of small and marginal farmers.

Challenges in Agricultural Marketing

1. **Fragmented Land Holdings:** More than 85% of Indian farmers operate on small and marginal landholdings, making it difficult to achieve economies of scale in production, procurement, and marketing.
2. **Dependence on Intermediaries:** The traditional **Agricultural Produce Market Committee (APMC)** system often results in farmers selling their produce through multiple middlemen, reducing their profit margins.
3. **Inadequate Infrastructure:** Lack of storage, cold chain facilities, and transportation logistics leads to high post-harvest losses, particularly in perishable commodities like fruits, vegetables, and dairy products.
4. **Price Volatility and Information Gaps:** Farmers often have limited access to real-time market information, resulting in distress sales and reduced incomes.
5. **Limited Access to Finance and Insurance:** Institutional credit remains out of reach for many small farmers, compelling them to depend on informal sources with high-interest rates. Crop insurance penetration is also low, exposing them to risks from weather and market fluctuations.

Emergence and Role of Farmers' Collectives

Farmers' collectives have emerged as a **grassroots solution** to overcome the limitations of individual farming. These organizations enable collective procurement of inputs, joint marketing of produce, and value addition through processing and branding.

- **Farmer Producer Organizations (FPOs):** Supported by agencies like **NABARD**, **SFAC**, and **NCDC**, FPOs empower farmers to act as collective business entities, improving access to markets, technology, and finance.
- **Cooperative Societies:** The cooperative model has a long history in India, with successful examples such as **AMUL** and **IFFCO**, demonstrating how collective action can enhance rural prosperity.
- **Self-Help Groups (SHGs):** Primarily driven by women, SHGs have been instrumental in building local capacity and facilitating micro-enterprise development in rural areas.

Prospects for Transformation

The future of agricultural marketing in India looks promising with several ongoing initiatives:

1. **Digital and E-Marketing Platforms:** Initiatives like **e-NAM (National Agriculture Market)** and private agri-tech

platforms are helping farmers access wider markets, better price discovery, and transparent transactions.

2. **Value Chain Development:** Encouraging farmers to engage in **value addition**, **branding**, and **processing** can significantly enhance income levels. Integration with **food processing industries** and **agribusinesses** offers new opportunities.
3. **Policy and Institutional Support:** Government schemes such as the **formation and promotion of 10,000 FPOs, the PM Kisan Sampada Yojana, and the Agricultural Infrastructure Fund** are promoting modernization, aggregation, and capacity building.
4. **Public-Private Partnerships (PPP):** Collaboration between government agencies, private firms, and cooperatives can bring technological innovation, efficient logistics, and market linkages to rural producers.
5. **Sustainability and Climate-Resilient Practices:**The integration of sustainable agricultural practices, organic farming, and renewable energy solutions ensures long-term resilience for farming communities.

Strategic Solutions for Strengthening Farmers' Collectives

1. **Capacity Building and Training:**Regular training programs on business management, digital literacy, and marketing can help collective organizations operate efficiently.
2. **Access to Affordable Credit:**Simplifying the credit process and extending financial support through cooperatives, NABARD, and regional rural banks can enhance liquidity for FPOs and cooperatives.
3. **Infrastructure Development:**Investment in storage, grading, packaging, and transportation facilities can minimize losses and improve market competitiveness.
4. **Market Intelligence and Digital Empowerment:** Developing digital dash boards and mobile apps for market price updates, weather forecasts, and buyer-seller matchmaking can strengthen farmers' decision-making.
5. **Policy Reforms and Governance:** Making the rules for FPO registration easier, being clear about how cooperatives are run, and encouraging partnerships with private companies can help boost growth

Conclusion

Transforming agricultural marketing in India requires a **multi-pronged and inclusive approach**. Strengthening **farmers' collective's** lies at the heart of this transformation, as it empowers rural producers to become stakeholders in the agri-value chain rather than passive suppliers. With supportive policies, technology integration, and institutional capacity building, rural India can move toward a **self-reliant, market-oriented, and sustainable agricultural economy**.

The journey may be challenging, but with collective effort and strategic vision, **"farmers can truly become the architects of India's rural transformation."**

Sunil Kumar, Faculty Member
Regional Institute of Cooperative Management Sector 32/C, Chandigarh

Millets on the Global Stage: Exploring Export Opportunities for Asia

Introduction

Millets—often called the "smart food" or "nutri-cereals"—have made a remarkable comeback in recent years. Once considered the food of the poor, millets are now being recognized globally for their **high nutritional value, climate resilience, and sustainability**. The **United Nations' declaration of 2023 as the International Year of Millets (IYoM)**, spearheaded by India, has brought these ancient grains to the forefront of global agricultural and trade discussions.

For Asia, which accounts for nearly **90% of global millet production**, this resurgence opens new avenues for **export growth, value addition, and food security diplomacy**. Countries like India, China, Nepal, Myanmar, and Pakistan are now well-positioned to transform millets from local staples into global superfoods.

The Global Demand Surge

In the era of health-conscious consumers, millets are gaining popularity as **gluten-free, low-GI, high-fiber, and protein-rich alternatives** to refined grains. Markets in **Europe, North America, and East Asia** are witnessing a growing demand for plant-based and sustainable foods—trends that perfectly align with millet's nutritional profile.

The global millet market, valued at **over USD 12 billion in 2022**, is projected to grow steadily, with major demand from the **organic, health food, and vegan sectors**. India alone exported millets worth nearly **USD 76 million in 2023–24**, primarily to **the USA, UAE, Nepal, Saudi Arabia, and the UK**, according to APEDA.

This rising demand provides Asian countries a rare opportunity to rebrand millets as premium, sustainable grains for the global market.

Asia's Strengths in Millet Production

1. **Agro-Climatic Advantage:** Asian countries possess diverse agro-climatic zones ideal for cultivating multiple millet varieties such as **sorghum (jowar), pearl millet (bajra), finger millet (ragi), foxtail, kodo, barnyard, and proso millets.**
2. **Traditional Knowledge Systems:** Centuries of traditional millet-based farming and cuisine give Asian farmers and entrepreneurs an edge in **production diversity and culinary innovation.**
3. **Government Initiatives:**
   - **India's Millet Mission** aims to mainstream millet cultivation and processing with export facilitation through **APEDA's millet export promotion program.**
   - Several Asian countries have integrated millet into **climate-resilient agriculture policies** under their Sustainable Development Goals (SDGs).
4. **Cost-Effective Production:** Millets require **40% less water** and minimal fertilizers compared to rice or wheat, making them cost-effective and eco-friendly crops suitable for smallholders.

Export Challenges

Despite the promise, several bottlenecks hinder Asia's full potential in millet exports:

1. **Quality Standardization:** Variability in grain size, color, and moisture content poses challenges for meeting **international phytosanitary and quality norms.**
2. **Processing and Value Addition Gaps:** Lack of modern milling, cleaning, and packaging facilities reduces export competitiveness. Millets are often sold as raw grains rather than high-value products.
3. **Limited Market Awareness:** Global consumers still view millets as niche or

traditional grains. There's a need for **strategic branding** to position millets alongside quinoa and oats.

4. **Trade Barriers and Certification:** Meeting **organic certification, traceability, and labeling requirements** for developed markets remains complex and costly.
5. **Supply Chain Fragmentation:** Smallholder-based production systems need aggregation and logistics support to ensure consistent export volumes.

Strategic Solutions for Unlocking Export Potential

1. **Product Diversification and Value Addition:** Asian exporters should move beyond grain exports toward **ready-to-eat and ready-to-cook products** such as millet flakes, energy bars, pasta, bakery items, and beverages. These attract higher margins and wider audiences.
2. **Branding and Promotion:** A unified regional branding effort—such as **"Asian Millets: Smart Food for a Smart Planet"**—could enhance visibility. Trade fairs, digital marketing, and health-focused campaigns in Europe and North America can boost demand.
3. **Strengthening Farmer Producer Organizations (FPOs):** Supporting FPOs and cooperatives in aggregation, quality control, and contract farming can ensure supply consistency and farmer benefits.
4. **Adoption of Global Standards:** Governments and export councils should facilitate compliance with **Codex Alimentarius**, **ISO**, and **organic certification standards**, easing access to high-value markets.
5. **Public-Private Partnerships (PPP):** Collaboration between **research institutions, food industries, and government agencies** can promote innovation in millet-based products, enhance export infrastructure, and streamline logistics.
6. **Regional Cooperation:** Asia can establish a **Millet Exporters' Network**, enabling knowledge sharing, joint research, and coordinated participation in international trade fairs.

The Role of India as a Global Leader

India stands at the forefront of the global millet movement. As the world's largest producer, India cultivates millets on over **12 million hectares**, producing nearly **15 million tonnes annually**. Through initiatives like the **"Millet International Initiative for Research and Awareness (MIIRA)"**, led by the Ministry of Agriculture, India aims to coordinate global millet research and promote sustainable trade.

India's success can serve as a **blueprint** for other Asian nations seeking to balance domestic consumption, nutritional security, and export growth.

Sustainability and the Future of Millets

Millets align seamlessly with global sustainability goals. They are **climate-smart crops**, capable of thriving in arid and semi-arid regions with minimal inputs. Promoting millet exports supports **SDG-2 (Zero Hunger)**, **SDG-12 (Responsible Consumption and Production)**, and **SDG-13 (Climate Action)**.

Moreover, the growing preference for **plant-based diets** worldwide offers long-term market potential. With strategic investment, policy support, and marketing, Asia can position millets as the **next global super food revolution**.

Conclusion

Millets have travelled a long journey—from being a neglected grain to earning a place on the global dining table. For Asia, this is not just an export opportunity but a pathway to **economic empowerment, sustainable agriculture, and global leadership in food security**.

By focusing on quality, branding, innovation, and collaboration, Asian nations can transform millets into the "grain of the future," ensuring both prosperity for farmers and nutrition for the world.

Sunil Kumar, Faculty RICM, Chandigarh

नवम्बर मास के कृषि कार्य

धान

पकी फसल की कटाई के लगभग एक सप्ताह पहले खेत से पानी निकाल दें जिससे फसल को काटने में आसानी रहेगी। कटाई के 2–3 दिन बाद कटे पौधों को तख्ते या ड्रम पर पटक कर दाने अलग कर लें। दोनों को सुखाकर बोरों में भर लें।

कपास

कपास की चुनाई करें लेकिन सुबह ओस में तथा अधखिले टिण्डों में से चुनाई न करें। आखिरी चुनाई के बाद खेत में भेड़–बकरियों व अन्य पशुओं को चरने हेतु छोड़ दें ताकि पत्तों व सूण्डी ग्रसित टिण्डों को खाने से सूण्डियां भी साथ में नष्ट हो जाएं।

मूंगफली

फसल की खुदाई करें। खुदाई से एक सप्ताह पहले सिंचाई कर देने से फलियां निकालने में आसानी रहते है व साढ़ी में यदि गेहूं की बिजाई करनी हो तो पलेवा करके खुदाई कर लें अन्यथा मूंगफली के दाने उग जाते हैं।

गेहूं

बारानी हालाती में सी–306 की बिजाई अक्तूबर के अंतिम सप्ताह से नवम्बर के पहले सप्ताह तक करें। कम उपजाऊ, कम सिंचित दशा व बारानी क्षेत्रों के लिए डब्ल्यू एच 1080 एवं डब्ल्यू एच 1025 का प्रयोग भी कर सकते हैं। मध्यम उपजाऊ व कम सिंचित दशा के लिए डब्ल्यू एच 1142 एवं डब्ल्यू एच 147 का प्रयोग करें। सिंचित उपजाऊ भूमि में अगेती व समय पर बिजाई के लिए डब्ल्यू एच 1105, डब्ल्यू एच 1184, डब्ल्यू एच 1270, एच डी 2967, डी बी डब्ल्यू 88, डी पी डब्ल्यू 621–50, एच डी 3086, डब्ल्यू एच 283, पी बी बब्ल्यू 550, डब्ल्यू एच 542 की सिफारिश की जाती है। पछेती बिजाई (26 नवम्बर से 25 दिसम्बर तक) के लिए डब्ल्यू एच 1021, डब्ल्यूएच 1124, डी बी डब्ल्यू 90, एच 1021, डब्ल्यू एच 1124, डी बी डब्ल्यू 90, एच डी 3059 एचं राज 3765 किस्मों का प्रयोग करें। कठिया गेहूं के लिए डब्ल्यू एच 896, डब्ल्यू एच 912, डब्ल्यू एच डी 943 किस्मों का प्रयोग करें। पीला रतुआ प्रभावित हरियाणा के उत्तर–पूर्वी क्षेत्रों में किसान पी बी डब्ल्यू 343, पी बी डब्ल्यू 373, डब्ल्यू एच 711, एच डी 2851, डी बी डब्ल्यू 17, सुपर, बरबट आदि किस्में न उगाएं क्योंकि ये किस्में पीला रतुआ रोग के लिए अत्यंत रोगग्राही हैं। सी–306 (सिंचित इलाके) की बिजाई इस माह के दूसरे सप्ताह तक पूरी कर लें। पछेती बिजाई के लिए 50 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ पर्याप्त है। बिजाई कतारों में, खाद–बीज ड्रिल या पोरा विधि से 20 सैं.मी. की दूरी पर करें। ध्यान रहे कि देशी किस्मों की बिजाई लगभग 6–7 सैं.मी. की दूरी पर करें। ध्यान रहे कि देशी किस्मों की बिजाई 5–6 सैं. मी. से अधिक गहरी न करें।

जौ

बारानी क्षेत्रों में जौ की समय पर बिजाई अक्तूबा माह के दूसरे पखवाड़े से शुरू कर दें व सिंचित क्षेत्रों में 15–30 नवम्बर के बीच र लें। जौ के लिए बी एच–75, बी एच–885, बी एच–393, बी एच 946 व बी एच–902 बीजें। समय पर बिजाई के लिए बारानी में 30, सिंचित क्षेत्रों में 35 किलोग्राम व पछेती बिजाई के लिए 45 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ डालें। बिजाई कतारों में लगभग 22 सैं. मी. की दूसरी पर करें। पछेती बिजाई और बारानी क्षेत्रों में 18–20 सैं.मी. कतारों का फासला अच्छा पाया गया ।

जौ की अच्छी फसल लेने के लिए 24 कि.ग्रा. शुद्ध नाइट्रोजन (जो कि 52 कि.ग्रा. यूरिया खाद से ली जा सकती है।) तथा 12 किलोग्राम शुद्ध फास्फोरस (75 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट) का अवश्य प्रयोग करें। आधी नाइट्रोजन की खाद व पूरी फास्फोरस बिजाई के समय पोरें। बाकी नाइट्रोजन की खाद व पूरी फास्फोरस बिजाई के समय पोरें। बाकी नाईट्रोजन की खाद व पूरी फास्फोरस बिजाई के समय पोरें। बाकी नाइट्रोजन की खाद को पहले पानी के साथ दें। ज़मीन में पोटाश की कमी हो तो 6 कि.ग्रा. शुद्ध पोटाश (10 कि.ग्रा.) म्यूरेट ऑफ पोटाश) भी अवश्य डालें। रेतीली ज़मीन में प्रति एकड़ 10 कि.ग्रा. ज़िंक सल्फेट का भी प्रयोग करें। बारानी जौ की फसल में 12 कि.ग्रा. शुद्ध फास्फोरस बिजाई के समय ड्रिल करें। ये मात्रा 25 कि.ग्रा. यूरिया व 14 कि.ग्रा. डी. ए. पी. से दी जा सकती है।

लूसर्न

लूसर्न टाईप–9 बिजाई के लिए उत्तम किस्म है। इसकी बिजाइ इस माह के प्रथम सप्ताह तक कर लें। 4–5 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ के हिसाब से कतारों में 30 सैं.मी. की दूरी पर 5 सैं.मी. गहराई में बीजें।

लूसर्न की बिजाई के समय 22 किलोग्राम यूरिया खाद तथा 250 कि.ग्रा. सुपर फास्फेट प्रति एकड़ के हिसाब से डालें। इस खाद को ड्रिल द्वारा 10 सैं.मी. गहराई तक डालना चाहिए। पिछले वर्ष वाली रिजका (लूसर्न) में नवम्बर में 312 कि.ग्रा. सुपर फास्फेट प्रति एकड़ डालें।

बरसीम

समय पर बीजी गई फसल की पहली कटाई इस माह के अंतिम सप्ताह में करें तथा 15–20 दिन के अंतर पर सिंचाई करें।

जई

जई की किस्म ओ एस–6, ओ एस–7 एवं जे 8 की बिजाई इस माह के मध्य तक पूरी कर लें। छोटे दाने वाली किस्मों (एच जे–114) का 30 किलोग्राम बीज व मोटे दानों का 40 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ काफी है। 16 किलोग्राम नाइट्रोजन (35 कि.ग्रा. यूरिया) बिजाई के समय तथा 16 कि.ग्रा. नाइट्रोजन (35 कि.ग्र. यूरिया) पहली सिंचाई के समय डालें। चारे व बीज की अधिक पैदावार के लिये बीज को बिजाई से पहले एजोटोबैक्टर (तीन पैकेट प्रति एकड़ बीज) से उपचारित करें।

चना

चने की बिजाई यदि पूरी न की हो तो शीघ्र ही पूरी कर लें। चने की किस्म (हरियाणा चना नं. 1) पछेती बिजाई के लिए 35 कि.ग्रा. डी.ए. पी. या 100 कि.ग्रा. सुपर फास्फेट व 12 कि.ग्रा. यूरिया प्रति एकड़ के हिसाब से ड्रिल करके बीज के नीचे डालें। सिंचित इलों में 10 कि.ग्रा. जिंक सल्फेट का प्रयोग भी करें।

चने की फसल को दीमक से बचाने के लिए बीज का 850 मि.ली. मोनोक्रोटोफास 36 एस.एल. या 1500 मि. ली. क्लोरपाइरीफॉस 20 ई. सी. से बुवाई से एक दिन पहले उपचार करें परंतु उपचार से पहले कीटनाशक को पानी में मिलाकर कुल दो लीटर घोल बनाएं व फिर 100 किलोग्राम बीज में मिलाएं।

रोगग्रस्त बीज द्वारा उत्पन्न अंगमारी से बचाव के लिए बाविस्टिन (2.5 ग्राम/किलोग्राम बीज) से बीजोपचार लाभदायक पाया गया है जो कि राइजोबियम का टीका लगाने से पूर्व किया जा सकता है।

सरसों व राया

सरसों, राया व तारामीरा की बिजाई शीघ्र ही पूरी कर लें। तोरिया, सरसों व राया की बारानी फसलों के लिए 16 कि. ग्रा. शुद्ध नाइट्रोजन तथा 8 कि.ग्रा. शुद्ध नाइट्रोजन तथा 8 कि.ग्रा. शुद्ध फास्फोरस प्रति एकड़ बिजाई के समय बीच के नीचे ड्रिल करें। यदि सरसों या तोरिया की फसल सिंचित ली जा रही है तो इसके लिए 24 कि.ग्रा शुद्ध नाइट्रोजन और 8 कि.ग्रा शुद्ध फास्फोरस/एकड़ प्रयोग करें। इसी तरह सिंचित राया के लिए 32 कि.ग्रा शुद्ध नाइट्रोजन और 12 कि.ग्रा. शुद्ध फास्फोरस/एकड़ बिजाई के समय पोरा करें।

रावण की ललकार

सपने में राक्षस एक आया,
जैसे तैसे कटी फिर रात.!
सामने कोई और नहीं था,
रावण के संग थी मुलाकात..!!
...
बड़ा खुश था वो अभिमानी
चलाने लगा शब्दों के तीर..!
उसकी बाते कुछ ऐसी थी
मुझको जो कर गई अधीर..!!
....
पूछा मैंने तुम मर चुके थे,
फिर आखिर कहाँ से आए.!
दशहरे पर पुतला जला तुम्हारा,
हंसी खुशी हम त्यौहार मनाएं.!!
...
ठहाका लगा कर रावण फिर बोला,
क्यों बनता है रे बन्दे नादान..!
पुतले तो बस प्रदूषण फैलाते,
बात मेरी सुन लगाकर ध्यान.!!
...
देख जरा अपने चारों ओर,
है ये रामायण का दूजा दौर.!
हर व्यक्ति में ही पात्र हैं सारे,
राम खुद भी है ये कर लो गौर.!!
...
पर मैंने है उसे कैद में डाला,
हिम्मत किसकी जो तोड़े ताला.!
विवेक रुपी विभीक्षण सो गया है
तुम्हारा राम अकेला हो गया है

मर्यादा रुपी लक्ष्मण भी है हारा.,
विश्वाश के सुग्रीव ने किया किनारा.!!
निष्ठा हनुमत जैसी हर ली है,
हिम्मत अंगद सी भी धर ली है.!!

भ्रष्टाचार कुम्भकरण मेरा है भाई.!
कुनीति निद्रा में ले जम्भाई..!
जमीर को संग सुलाता पल में,
ले जाता अंधेरों के दलदल में!!
....
कपट है मेघनाथ वीर प्रतापी,
छोड़े कोई कसर न बाकी..!
मर्यादा रूपी लक्ष्मण पर जो भारी,
मति हर लेता पल में वो सारी..!!
...
जामवन्त सा ज्ञान धरा रह जाता
हो जाते हो तुम अत्याचारी..!
फिर कैसे कैसे कर्म करो तुम,
बात सुनोगे कैसे सारी..!!

दुष्कर्मों में तुम शौक से पड़ते,
पापों का बढ़ता जाता भार.!
आत्मा रूपी श्रीराम की तुम,
सुन सकते न कभी पुकार..!!
....
बन्दों तुमको खुली चुनौती,
हिम्मत हो तो कर लो स्वीकार.!
राम राज स्थापित करके देखो,
ये रावण तुमको रहा ललकार.!!

बस इतना कह कर जाने कहाँ
विलुप्त हो गया वो चंडाल.!
सोचने पर मजबूर हुआ मै,
हाय.. हमारा कैसा है हाल..!!
....
उल्लास मनाते हैं व्यर्थ ही,
पुतले जला बजाते हम ताली.!
झाँक कर देखें जो अपने घट में,
महसूस करें कुछ खाली खाली.!!
....
अब इस स्वपनी रावण की,
चुनौती से पार हमें पाना है!
सत्य पथ पर हमको है बढ़ना,
और बुराइयों को दूर भगाना है.!!
...
लोभ लालच से रहे किनारा,
जमीर नहीं कभी भुलाना है..!
ईमान निष्ठा और सदाचार से
बस राम राज हमें बसाना है.!!
बस..राम..राज..हमें..बसाना..है.!!!

वेद व्रत लिपिक, वध्व सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी समितियाँ, महेंद्रगढ़

रंग भरो

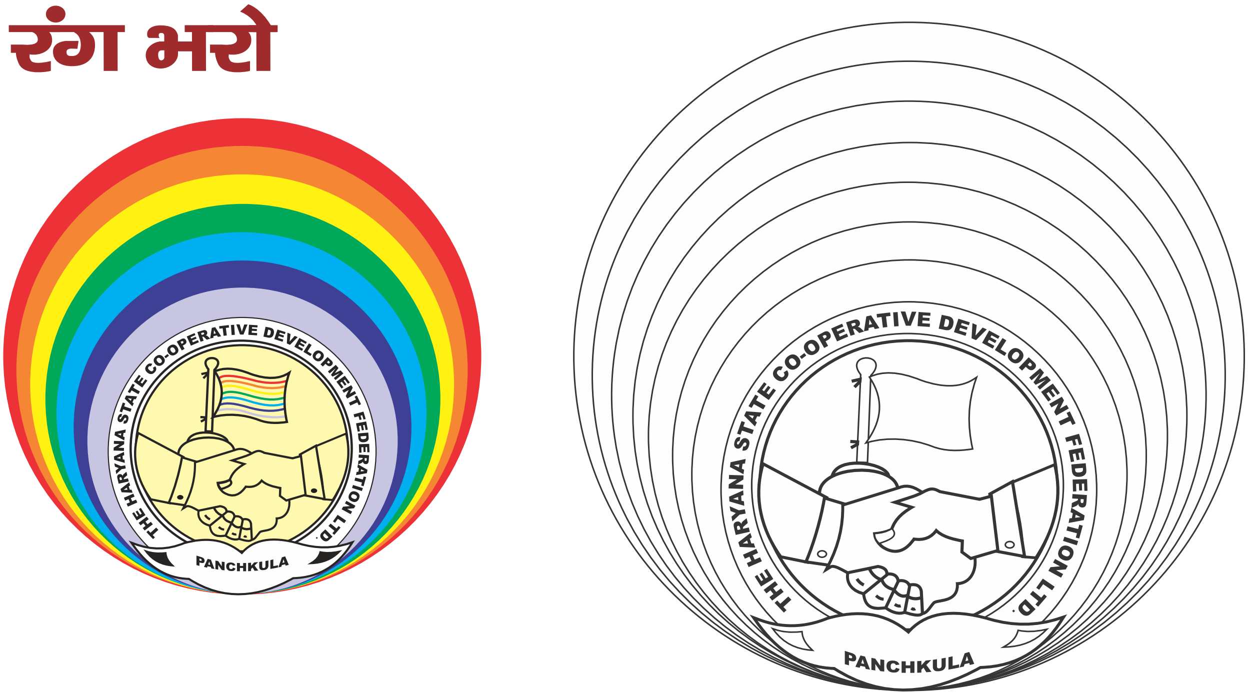

हरकोफैड पहुंचो

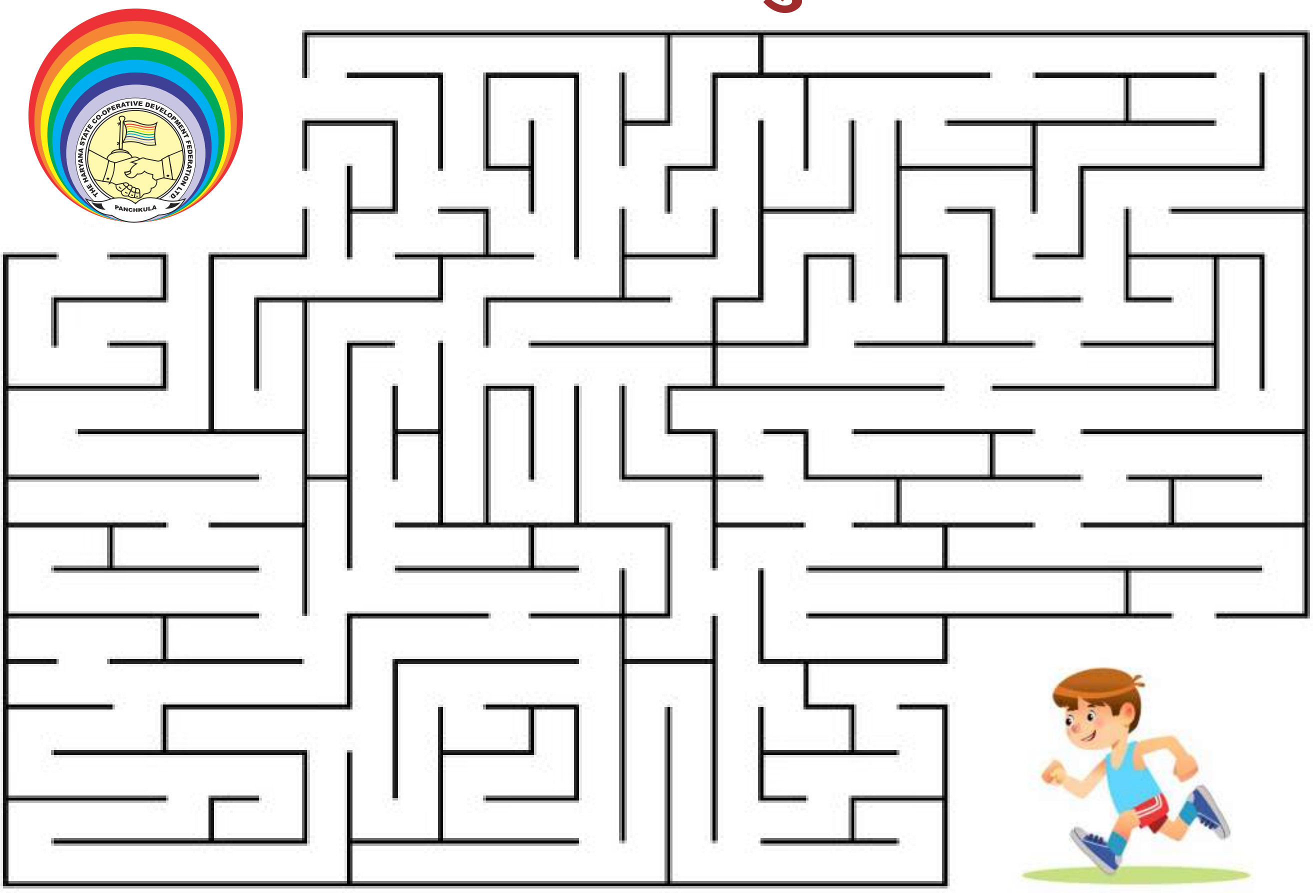

श्री राजेश जोगपाल, भा.प्र.से जी के सेवानिवृति समारोह में उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट करते संयुक्त रजिस्ट्रार सहकारी समितियां, हरियाणा एवं प्रबंध निदेशक हरकोफैड और एच.एस.सी.ए.आ.डी.बी, श्री नरेश गोयल।

श्री राजेश जोगपाल, भा.प्र.से जी के सेवानिवृति समारोह में पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिवादन करते हरकोफैड (सहकारिता विभाग, हरियाणा) के प्रचार अधिकारी श्री सौरव अत्री।

सहकारिता मंत्री, हरियाणा डॉ़ अरविन्द कुमार शर्मा ने अपने संक्षिप्त प्रवास के दौरान अम्बाला के किंगफिशर टूरिस्ट कॉमप्लैक्स पहुंचे हरियाणा के महामहिम राज्यपाल श्री अशीम कुमार घोष जी से शिष्टाचार भेंट की एवं उनका स्वागत किया।

इंडोनेशिया के बाली में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के दौरान पूजनीय गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज के साथ हरियाणा के सहकारिता मंत्री डॉ अरविन्द कुमार शर्मा।

NANO TECHNOLOGY
NANO UREA & DAP
SAHKAR SE SAMRIDDHI
Aatmanirabhar Bharat, Aatmanirbhar Krishi
IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives
IFFCO NANO UREA Plus
and
IFFCO NANO DAP
Promises
More Yield And More Profit
World's First Nano Fertilizer by IFFCO
500 ML Bottle ₹225/- only
500 ML Bottle ₹600/- only
Contains 20% NITROGEN
FREE ACCIDENT INSURANCE
IFFCO Nano UREA Plus Liquid
IFFCO Nano DAP Liquid
NANO UREA PLUS
NANO DAP
LIQUID (8:16:0)
INDIAN FARMERS FERTILISER COOPERATIVE LIMITED
IFFCO Sadan, C-1 District Centre, Saket Place, New Delhi - 110017, INDIA
Phones: 91-11-26510001, 91-11-42592626. Website: www.iffco.coop

HARCOFED

Bays No. 49-52, Sector - 2, Panchkula   https://www.harcofed.org.in   harcofed@ymail.com

हरियाणा राज्य सहकारी विकास फैडरेशन की ओर से सौरव शर्मा संपादक द्वारा हरियाणा सहकारी प्रेस 165–166, इंडस्ट्रियल एरिया, फेस–1, चण्डीगढ़ से मुद्रित व प्रकाशित तथा कार्यालय बेज नं. 49–52, प्रथम तल, सेक्टर–2, पंचकूला ।
दूरभाष : 0172–2560340, 2560332 हरकोप्रैस : 0172–2637264